दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -154 जबलपुर, सोमवार 13 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

स्यानाचट्टी के पास फंसे 100 श्रद्धालु, बाल-बाल बची जान

पहलगाम में बादल फटने से तबाही, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड

चमौली. (आरएनएस)। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को बड़ा हादसा टल गया. स्यानाचट्टी के पास अचानक भारी भूस्खलन होने से सड़क पर भारी मात्रा में मलबा आ गया, जिससे हाईवे पूरी तरह बंद हो गया और करीब 100 श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए.

घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं. बड़कोट और जानकीचट्टी पोस्ट से पहुंचे जवानों ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया. सड़क पूरी तरह बंद होने के कारण जवानों ने पहले सुरक्षित वैकल्पिक रास्ते पर रस्सियां (रोप) लगाईं, ताकि यात्रियों को बिना किसी खतरे के पार कराया जा सके. इसके बाद एसडीआरएफ के जवानों ने एक-एक श्रद्धालु को सावधानीपूर्वक रस्सी के सहारे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया. कई घंटे चले रेस्क्यू अभियान में करीब 100 यात्रियों को सुरक्षित निकालकर उनके गंतव्य की ओर रवाना किया गया.

लगातार बारिश के कारण यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. प्रशासन ने चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी जरूर लें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें. गौरीकुंड के पास मुनकटिया में पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और बड़े बोल्डर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। इस रास्ते को दोबारा चालू करने के लिए जिला प्रशासन ने बिना देर किए बड़ी मशीनें और जेसीबी काम पर लगा दी हैं। सड़क से मलबे को हटाने का काम बहुत तेजी से किया जा रहा है।

आपदा प्रबंधन अधिकारी का बयान

आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया, मुनकटिया में सड़क जरूर बंद हुई है, जो कि गौरीकुंड के पास है। लेकिन वहां लगातार जेसीबी मशीनें काम कर रही हैं। हमारी पूरी कोशिश है कि इस रास्ते को बहुत जल्द दोबारा गाड़ियों के आने-जाने के लिए खोल दिया जाए।

प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, यात्रियों के लिए जरूरी सलाह

मौसम के खराब मिजाज और भूस्खलन के खतरों को देखते हुए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और सावधान है। केदारनाथ यात्रा के रास्ते पर किसी भी इमरजेंसी या मुसीबत से निपटने के लिए रेस्क्यू और रेस्पॉन्स टीमें लगातार नजर रख रही हैं, ताकि यात्रियों को तुरंत मदद दी जा सके।

आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि जिलाधिकारी ने सभी विभागों और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। यात्रा मार्ग पर जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें अपने तय स्थानों पर पूरी तरह अलर्ट रहने को कहा गया है। प्रशासन का कहना है कि केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित और सही तरीके से चलाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों को भी यह सलाह दी गई है कि वे मौसम का हाल जानने और प्रशासन के नियमों को समझने के बाद ही अपनी यात्रा में आगे बढ़ें।

कोरोना की देश में फिर दस्तक, आंध्र प्रदेश में 2 मरीजों की मौत के बाद हड़कम्प, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

हैदराबाद.(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद राज्य का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है. पिछले कुछ हफ्तों में जिले के भीतर कोरोना वायरस के 8 सक्रिय मामलों की पुष्टि हुई है, जबकि संक्रमण के कारण 2 मरीजों की जान जा चुकी है. लगातार सामने आ रहे इन मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है और अस्पतालों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं.

इलाज के दौरान दो संक्रमितों ने तोड़ा दम

कडप्पा के राजमपेट इलाके में एक 52 वर्षीय व्यक्ति को तेज बुखार और खांसी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जांच में कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. वहीं, एक अन्य मामले में कडप्पा के ही रहने वाले 43 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगडने पर उन्हें स्थानीय सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया गया था. वह भी वायरस से संक्रमित पाए गए और उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. इसके अलावा कडप्पा मेडिकल कॉलेज के एक 25 वर्षीय छात्र में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसे फिलहाल होम आइसोलेशन में रखा गया है. दो मौतों और नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है. जिले के प्रभावित इलाकों में विशेष त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात किए गए हैं. इन टीमों ने संक्रमितों के संपर्क में आए लगभग 40 लोगों के सैंपल एकत्र किए हैं. अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से 18 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है, जबकि शेष सैंपलों की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है.

जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने जिला परिषद की बैठक में स्पष्ट किया कि वर्तमान में जिले में कोविड-19 के 8 एक्टिव केस हैं. वायरस के मौजूदा प्रकार की पहचान करने और इसके फैलने के पैटर्न को समझने के लिए एकत्र किए गए सैंपलों को जीनोम अनुक्रमण के लिए पुणे की प्रयोगशाला में भेजा गया है. आंध्र प्रदेश की जिला प्रभारी मंत्री सविता ने जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी से फोन पर स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बुखार, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों वाले मरीजों की पहचान कर उन्हें आवश्यकतानुसार आइसोलेशन सुविधाओं में शिफ्ट किया जाए.

मुंबई के ताज महल पैलेस होटल को मिली बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियों का सघन तलाशी अभियान जारी

मुंबई.(आरएनएस)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के दक्षिण इलाके कोलाबा में स्थित प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल में रविवार, 12 जुलाई 2026 को उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रबंधन को होटल परिसर में बम होने की धमकी भरा एक फोन कॉल प्राप्त हुआ. इस संवेदनशील सूचना के मिलते ही मुंबई पुलिस, आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हाई-अलर्ट पर आ गईं. एहतियात के तौर पर होटल के मेहमानों, स्टाफ और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे परिसर को घेरकर एक सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, धमकी देने वाले अज्ञात कॉलर को ट्रेस करने के लिए तकनीकी विंग ने भी समानांतर जांच शुरू कर दी है. पुलिस मुख्यालय से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, जैसे ही ताज होटल के रिसेप्शन पर धमकी भरा कॉल आया, स्थानीय कोलाबा थाना पुलिस को इसकी इत्तिला दी गई. कुछ ही मिनटों के भीतर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल, बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंच गए. सुरक्षा टीमों ने मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए होटल के चप्पे-चप्पे, लॉबी, बेसमेंट, पार्किंग एरिया और सभी सार्वजनिक कमरों की बारीकी से जांच शुरू की ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक डिवाइस का पता लगाया जा सके.

बहनों को सशक्त बनाना हमारी पहली प्राथमिकता-प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक बहनों के खातों में अंतरित किये 1835 करोड़ रुपए

महिला सशक्तिकरण में लाड़ली बहना योजना क्रांतिकारी पहल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)।-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाएं परिवार की रीढ़ और इज्जत होती हैं। सनातन संस्कृति में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है। महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण के लिये प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जो निरंतर जारी रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बहनों को सशक्त बनाना अपनी पहली प्राथमिकता मानते हैं। वे चाहते हैं कि ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक महिलाएं प्रमुख भूमिका में रहें। महिला कल्याण और सशक्तिकरण की यही नीति मध्यप्रदेश सरकार की भी है। प्रदेश की लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भिंड जिले के लहार में लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 38वीं किश्त के रूप में 1835 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि अंतरित कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भिंड जिले को 322 करोड़ लागत के 56 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 4 सांदीपनि विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लहार में विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय स्तर पर पीजी कक्षाओं की सुविधा में वृद्धि करने की घोषणा भी की। बहनों, बेटियों के विकास के साथ सभी नागरिकों के कल्याण के हो रहे कार्य मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कामकाजी महिलाओं की समृद्धि, सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार सभी आवश्यक प्रयास कर रही है।

महाराष्ट्र - हॉस्टल में जहरीला खाना से 40 छात्रों की बिगड़ी तबीयत, 5 आईसीयू में भर्ती, कार्रवाई के निर्देश

नंदुरबार. (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है. शहादा स्थित समाज कल्याण विभाग (सोशल वेलफेयर) के हॉस्टल में खाना खाने के बाद 40 छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ गई. आनन-फानन में 25 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में रखा गया है. इस घटना के बाद से प्रशासन और परिजनों में हड़कंप मच गया है.

घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी (डीएम) मिताली सेठी ने शनिवार को शहादा अस्पताल का दौरा किया और बीमार छात्रों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया. उन्होंने बताया कि पीड़ित बच्चों में फूड पॉइजनिंग और गैस्ट्राइटिस के गंभीर लक्षण पाए गए हैं. डीएम के मुताबिक, 20 छात्रों का इलाज शहादा के रूरल हॉस्पिटल में चल रहा है, जबकि ऑक्सीजन और ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे 5 छात्रों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है. हालांकि, राहत की बात यह है कि फिलहाल सभी 25 बच्चे सुरक्षित हैं और डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं.

अस्पताल में इलाज करा रहे ज्यादातर छात्रों की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है और कुछ समय तक निगरानी में रखने के बाद उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी. प्रशासन की ओर से बच्चों के माता-पिता के रहने और खाने-पीने का पुख्ता इंतजाम किया जा रहा है ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े. जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बीमारी की असल वजह का पता लगाने के लिए परोसे गए खाने और बच्चों की उल्टी के सैंपल लैब में जांच के लिए भेज दिए गए हैं. जिला प्रशासन इस लापरवाही को लेकर बेहद सख्त कार्रवाई के मूड में है. लैब रिपोर्ट आने के बाद सीधे तौर पर जिम्मेदारी तय की जाएगी. हेडमास्टर, समाज कल्याण अधिकारी और हॉस्टल वार्डन की भूमिका की जांच की जा रही है और जो भी इस मामले में दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा. मौके पर पुलिस की टीम भी मुस्तैद है जो परिजनों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही है. डीएम ने आश्वासन दिया है कि सिस्टम की कमियों को दूर करने के लिए जिला फंड से अतिरिक्त बजट दिया जाएगा और जब तक व्यवस्था पूरी तरह से सुधर नहीं जाती, वह खुद हर 15 दिन में हॉस्टल की कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगी.

दिल्ली पुलिस की बड़ी कामयाबी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 3 शूटरों गिरफ्तार, राजधानी दहलाने की थी साजिश

नई दिल्ली-(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है, जो टारगेट किलिंग की तैयारी कर रहे थे। ये शूटर विदेश में बैठे हैंडलरों से निर्देश ले रहे थे और कई आपराधिक मामलों में वांछित थे।

बाहरी दिल्ली की रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों में से दो उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के और एक दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों शूटर दिल्ली में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे और किसी की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। इसी बीच रोहिणी जिला पुलिस को उनके आने-जाने की भनक लग गई और उन्हें पकड़ लिया गया। पुलिस का कहना है कि उन्हें इन शूटरों की हरकतों के बारे में पहले ही खुफिया जानकारी मिल गई थी। सूचना मिलते ही स्पेशल स्टाफ की टीम ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया।

धान रोपाई के लिए जा रही 18 महिलाओं से भरा पिकअप पलटा, दो की हालत गंभीर

बालाघाट।(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में रविवार 12 जुलाई को खरीफ सीजन में धान की रोपाई के लिए निकलीं 18 महिलाएं भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गईं। ग्रामीण महिलाओं से भरा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें सभी महिलाएं घायल हो गईं।

हादसा रामपायली थाना क्षेत्र के बटरमारा पुल के पास हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। दो महिलाएं सुनीता गजबिये और सविता लिल्हारे की गंभीर हालत को देखते हुए गोंदिया रेफर किया गया है, जबकि एक महिला का शहर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी घायल ग्राम डोंगरमाली और बिटोली की निवासी हैं।

अनियंत्रित होकर पलट गया पिकअप उर्मिला लिल्हारे और रेखा उपवंशी ने बताया कि वह रविवार सुबह लगभग 9 बजे अपने गांव (डोंगरमाली) से पिकअप में बैठी थीं। वह सभी नेवरगांव में धान की रोपाई (पराह) लगाने जा रही थीं। तभी बटरमारा पुल के पास पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद जब आंख खुली तो सभी महिलाएं घायल अवस्था में गिरी पड़ी थीं। जबकि पिकअप वाहन खेत में पलटा हुआ था। रामपायली पुलिस घायलों के बयान ले रही है। घटना के बाद पिकअप चालक फरार हो गया।

सिवनी में मिला बाघ का शव, गले की हड्डी टूटी, काटने और नोंचने के मिले निशान

कालीमाटी के जंगल में मिला बाघ का शव,मचा हड़कंप

आपसी संघर्ष में मौत की आशंका

सिवनी- जिले के केवलारी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत कालीमाटी के जंगलों में एक बाघ का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

आपसी संघर्ष में मौत की आशंका- डीएफओ

घटना को लेकर जिला वन मंडलाधिकारी (छ्स्न्ह्र) का बड़ा बयान सामने आया है। डीएफओ के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला दो बाघों के बीच आपसी संघर्ष (Territorial Fight) का नजर आ रहा है, जिसमें इस बाघ की मौत हुई है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की

पुष्टि के लिए हर पहलू की जांच की जा रही है।

मौके पर पहुंचा वन अमला और डॉग स्क्वाड

इससे पहले, राष्ट्रीय पशु की मौत की खबर मिलते ही वन विभाग के आला अधिकारी और वन अमला डॉग स्क्वाड के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तत्काल पूरे घटनास्थल को सील कर दिया। डॉग स्क्वाड की मदद से आसपास के इलाके में बारीकी से साक्ष्य जुटाए गए, ताकि किसी भी तरह के फाउल प्ले या शिकार की आशंका को खारिज किया जा सके।

प्रोटोकॉल के तहत हुआ अंतिम संस्कार

वरिष्ठ अधिकारियों और पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में बाघ के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (ह्ळ्रष्ट) के कड़े नियमों और तय प्रोटोकॉल के तहत पूरे सम्मान के साथ बाघ का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। वन विभाग अब पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के नतीजों का इंतजार कर रहा है ताकि डीएफओ के शुरुआती आकलन और मौत की सटीक वजहों पर अंतिम मुहर लग सके। बाइट-

1 गौरव मिश्र-DFO

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गढ़ा में रात धर्मेन्द्र मिश्रा उम्र 44 वर्ष गौतम गंज इंद्रा गांधी वार्ड गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसने मोबाइल चैक किया, उसे पता चला कि उसके अकाउण्ट से दिनांक 29-6-26 से दिनांक 2-7-26 के बीच उसके बैंक खाता से 40 हजार 822 रूपये कट गये हैं, बेटी तानिया मिश्रा से पूछा जो बताई कि इंस्टाग्राम मे वर्क फ्रम होम का काम सर्च करने के दौरान ग्लोबल बुक पब्लिकेशन नाम से एक पेज पर वर्क फ्रम होम के लिये उसे टाईप राईडर का काम मिला था एवं 15 हजार रूपये प्रति प्रोजेक्ट सैलरी देने हेतु कहा गया था,

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी मे स्वतंत्र दल करे राम मंदिर जमीन खरीदी घोटाला और चंदा चढ़ावा चोरी की जाँच-साधना भारती

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने कहा कि जिसकी सत्ता और व्यवस्था में हो चंदा चढ़ावा चोरों का आदर हो रहा है, वही चीफ चंदा चढ़ावा चोरों का गॉडफादर है । किसी भी स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा सुप्रीम कोर्ट की सरपरस्ती में राम मंदिर जमीन खरीदी घोटाले सहित चंदा चढ़ावा चंपत कांड की निष्पक्ष जांच निश्चित समय सीमा में की जानी चाहिए, आज मोदी, योगी, मोहन राज में सीता माता की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, इनके राज में अयोध्या से लेकर उज्जैन तक आध्यात्मिक आस्थाओं की आत्मा पर अतिक्रमण किया जा रहा है, उन्होने कहा कि जिस एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत पर पहले ही 420 और 465 की धाराओं के तहत गबन, जालसाजी और लूट के आरोपों में एफआईआर दर्ज है, वो एसआईटी का अध्यक्ष राम मंदिर चंदा चढ़ावा चोरी चंपत कांड की निष्पक्ष जांच कैसे कर पाएगा 7 राम मंदिर ट्रस्ट को

आरटीआई एक्ट से बाहर किया गया, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मुख्य यजमान पीएम मोदी अब मौन धारण कर बैठे हुये है 7

उन्होंने हमला तेज करते हुए मांग की है कि लोक हित मे मामले में प्रधानमंत्री मोदी से और आरएसएस प्रमुख से कड़ी पूछताछ की जानी चाहिए। बड़े आरोपी सदस्यों को बचाने की कोशिश हो रही है, जबकि इस घोटाले के संदेह की सुई सीधे प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ओर जाती है। कांग्रेस नेत्री साधना भारती ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बयान का हवाला देते हुए कहा कि कुंभ के दौरान लगभग 16 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आए, लेकिन इस अवधि में केवल 84 करोड़ रुपये ही जमा हुए इसका मतलब यह है कि प्रति श्रद्धालु ने औसतन केवल पांच रुपये 74 पैसे ही दान दिए, जो अविश्वसनीय है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर औसतन एक श्रद्धालु ने 100 रुपये भी दान दिए हों, तो कुल राशि 1600 करोड़ रुपये होनी चाहिए थी। उन्होंने पूछा कि जब ट्रस्ट ने सिर्फ 84 करोड़ रुपये दिखाए हैं, तो बाकी के 1516 करोड़ रुपये कहां गए।

उन्होंने यह भी सवाल किया कि जब राजस्थान के खदान ठेकेदार दिलीप सिंह राठौड़ श्रीराम मंदिर के लिए मुफ्त में पत्थर देने को तैयार थे, तो 500 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से पत्थर क्यों खरीदे गए। उन्होंने पूछा कि जब निर्माण कंपनी एलएंडटी ने कहा था कि वह एक रुपये में मंदिर बनाएगी, तो निर्माण कार्य पर 2,100 करोड़ रुपये कैसे खर्च हो गए? सिंधी समाज द्वारा दान की गई 200 किलो चांदी की ईंटों सहित अधिकतर रामभक्तों द्वारा चढ़ाए गए छोटे-मोटे आभूषणों के दान की भी रशीदें राम मंदिर ट्रस्ट ने आज तक नहीं दी।

साधना भारती ने आगे बताया कि श्रीराम मंदिर परिसर से करीब आठ किलोमीटर दूर ट्रस्ट ने 84 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी, जिसके लिए बाजार दर से कई गुना अधिक भुगतान किया गया और अब उस जमीन पर पशुओं का चारा बोया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि जब मंदिर के पास कोई गोशाला नहीं है, तो यह चारा किसके लिए उगाया जा रहा है?

इस दौरान विधायक लखन घनघोरिया, शहर कांग्रेस के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव, रितेश गुप्ता, आरिफ बेग, प्रवेंद्र चौहान, संदीप जैन, देवकी पटेल, हुकुमचंद जैन, राजेश पटेल, विवेक यादव, आदित्य खुरासिया, भरत पटेल, आनंद यादव, एड. हाजी अयाज खान आदि उपस्थित रहे।

सदर की जामा मस्जिद का चंदा कहां गया? हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड से 60 दिन में मांगा जवाब

कौम की अमानत पर डाका! जबलपुर जामा मस्जिद वक्फ घोटाला हाईकोर्ट पहुंचा

वक्फ की करोड़ों की संपत्ति पर कब्जा? जबलपुर केस में हाईकोर्ट का सख्त आदेश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के दिल सदर बाजार में स्थित 100 साल से भी पुरानी ऐतिहासिक जामा मस्जिद की वक्फ संपत्ति के दुरुपयोग का मामला अब तूल पकड़ चुका है। करोड़ों रुपये की वक्फ संपत्ति और हर जुमे को आने वाले लाखों के चंदे के कथित गबन का मामला मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तक पहुंच गया है।

न्यायमूर्ति मनिंदर एस भट्टी की एकलपीठ ने ड्ढक्क-19674-2026 मोहम्मद इदरीस बनाम राज्य में सुनवाई करते हुए वक्फ बोर्ड को 60 दिन का अल्टीमेटम दे दिया है। कोर्ट ने कहा कि 15 दिन में शिकायत मिलने पर ष्टश्वह्र को कानून के तहत कारण सहित आदेश देना होगा।

क्या है पूरा मामला?

याचिकाकर्ता मोहम्मद इदरीस का आरोप है कि जामा मस्जिद सदर बाजार से जुड़ी दुकानों, जमीनों और चंदे की आय का सही उपयोग नहीं हो रहा। वक्फ अधिनियम 1995 की धारा 64, 65, 67 का उल्लंघन कर संपत्ति को मनमाने तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मस्जिद के स्कूल की जर्जर हालत और मदरसे की बदहाली देखकर लगता ही नहीं कि यहां से हर महीने लाखों की आमदनी होती है। जबकि वक्त अधिनियम में साफ है कि वक्फ की आय कि 50त्न राशि स्कूल और मदरसे पर खर्च होगी।।

कोर्ट ने क्या कहा?

8 जुलाई 2026 को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता पहले वक्फ बोर्ड में अभ्यावेदन दे। स्नढ्ढक्र के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट जाने की छूट भी दी।

कोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मुख्तार अहमद ने दलील दी कि वक्फ की संपत्ति गरीबों, यतीमों और तालीम के लिए है। इसका निजी इस्तेमाल कौम के साथ गद्दारी है।

लोगों में गुस्सा

खबर फैलते ही मुस्लिम समाज में नाराजगी है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। लोगों का कहना है चंदा हम देते हैं, हिसाब कोई नहीं देता।। अब सबकी नजरें भोपाल स्थित वक्फ बोर्ड के ष्टश्वह्र पर हैं। 60 दिन में क्या कार्रवाई होती है, ये देखना बाकी है।

माननीय हाईकोर्ट ने 60 दिन में कार्रवाई के आदेश दिए हैं। हम वक्फ बोर्ड से मांग करते हैं कि वो वक्फ अधिनियम 1995 की धारा 64, 65, 67 के तहत तुरंत ऑडिट कराए और जिम्मेदार लोगों पर स्नढ्ढक्र दर्ज कराए। कौम की संपत्ति लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पत्रकार मोहम्मद इदरीस राईन, याचिकाकर्ता

आदित्य वाहिनी व ब्रह्म सत्ता परिवार द्वारा मनाया गया जगद्गुरु शंकराचार्य प्राकट्योत्सव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आदित्य वाहिनी जबलपुर व ब्रह्म सत्ता परिवार द्वारा जगन्नाथ पुरी गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज के प्राकट्य उत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, पूजन-अर्चन एवं गुरु वंदना से हुआ।

कार्यक्रम में डॉ. एच. पी. तिवारी, डॉ. श्रद्धा तिवारी, सचिन अवस्थी एवं रामायण चौबे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य जी का जीवन सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना एवं राष्ट्रसेवा के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने समाज से शंकराचार्य जी के बताए मार्ग पर चलकर धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर आदित्य वाहिनी के जिला संयोजक जीवेश पांडेय ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि आदित्य वाहिनी का उद्देश्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाना तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक समरसता के लिए कार्य करना है।

कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने राष्ट्र की उन्नति, समाज के कल्याण एवं विश्व शांति की मंगलकामना की तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

निगम के इस अभियान में पुलिस का भी मिल रहा है सराहनीय सहयोग- भिक्षा देने वाले लोगों पर होगी कार्रवाई

शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने नगर निगम की मुहिम तेज, दो दिनों में 36 भिक्षुकों को दी गई समझाइश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में संस्कारधानी को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने और सड़क पर जीवन बसर करने वाले लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए नगर निगम द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से एक विशेष %भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान% चलाया जा रहा है। इस सकारात्मक पहल के तहत शहर के प्रमुख चौराहों और धार्मिक स्थलों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

रानीताल, गेट नंबर 4 और बाजनामठ मंदिर परिसर में कार्रवाई

अभियान के तहत नगर निगम की टीम ने पुलिस के सहयोग से शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने

बताया कि यहाँ भिक्षावृत्ति में लिप्त कुल 20 लोगों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि ?मेडिकल बाजनामठ मंदिर परिसर धार्मिक क्षेत्र में आने वाले दर्शनार्थियों को असुविधा न हो और भिक्षावृत्ति पर रोक लगे, इसके लिए यहाँ से 16 भिक्षुकों को हटाया गया।

टीम द्वारा सभी 36 भिक्षुकों को आत्मीयता के साथ समझाइश दी गई कि वे भिक्षावृत्ति छोड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं। ?सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद, ग्वारीघाट थाने से मिला समर्थन इस अभियान को सुचारू रूप से चलाने और नगर निगम की टीम को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह तैयार है। ग्वारीघाट पुलिस थाने के थाना प्रभारी से टीम की हुई सकारात्मक बातचीत के बाद पुलिस ने टीम को पूर्ण सुरक्षा देने की सहमति जताई है।

इस अभियान को बिना किसी बाधा के पूरा करने के लिए पुलिस लाइन से विशेष तौर पर महिला कांस्टेबल और पुरुष कांस्टेबल की टीम उपलब्ध कराई जाएगी।आज कारवाई के दौरान एक भिक्षा देने वाले व्यक्ति पर टीम ने कार्यवाही कर थाने में एन पी आर दर्ज कराई और कहा कि अब भिक्षा देने वाले लोगों के विरुद्ध तेज गति से कार्यवाही की जाएगी।

एक सकारात्मक बदलाव की ओर कदम

प्रशासन का उद्देश्य भिक्षुकों को सिर्फ हटाना नहीं, बल्कि शहर की छवि को सुधारना और इन जरूरतमंदों को एक बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। नगर निगम और पुलिस विभाग की इस संयुक्त और संवेदनशील कार्रवाई की आम नागरिकों द्वारा भी सराहना की जा रही है।

नर्मदा क्षेत्र में रोपे गए 500 पौधे गायत्री परिवार ने किया आयोजन

प्रकृति व पर्यावरण को बचाने का दिया संदेश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के पर्यावरण आंदोलन के अंतर्गत मां नर्मदा को हरियाली चूनर के क्रम में नर्मदा तट, लम्हेटाघाट के समीप स्थित श्रीराम वन एवं भृगु उद्यान में 500 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण जन जागरूकता गीतों से हुआ। पीपल, बरगद, नीम, आंवला, बेल, देव वृक्षों के साथ ही फ लदार पौधों का विधिवत पूजन पंच कुंडीय तरू रोपण महायज्ञ के माध्यम से किया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा औषधि उपवन बनाने के लिए औषधि पौधे प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक नीरज सिंह, विशिष्ट अतिथि जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर पंचायत भेड़ाघाट अध्यक्ष चतुरसेन लोधी, विधायक प्रतिनिधि ओम नारायण दुबे ने भागीदारी की। नगर परिषद से पार्षद महेश तिवारी, अजय पटेल, सजल तिवारी, नगर परिषद के प्रभारी सीएमओ अनुज सिंह, उद्यान प्रभारी लक्ष्मी नारायण दुबे, अमित मिश्रा, सुनील बैरागी, विजय करी, प्रिंसी नामदेव आदि की उपस्थिति रही। गायत्री परिवार से श्री उपजोन प्रभारी नरेश तिवारी, मुख्य ट्रस्टी बी बी शर्मा, जिला समन्वयक प्रेम शंकर तिवारी, पर्यावरण प्रभारी विकास दीक्षित, आंदोलन प्रभारी प्रकाश मूरजानी, स्नेहलता सांवरे ने सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित कराया।

बारादरी में 458वां उर्स मनाया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रानीताल चौक स्थित हजरत सैयद शाह मीर सलामत अली रह. अलै. तथा हजरत सैयद हुज्जवर अली रह. अलै. बाबा बारादरी दरगाह में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 458वॉ सालाना दो दिवसीय उर्स बहुत ही अक़ीदत, शानो शौकत और कौमी एकता के साथ मनाया गया 7 उर्स के दोनों दिन दरगाह के ख़ादिम सैयद आशिक अली तथा सैयद जाहिद अली के निवास कोतवाली स्थित उपरैनगंज से चादर व संदल प्रस्थान कर, दरगाह में कुरान ख्वानी, फातेहा, सालातो सलाम उपरांत संदल व चादर पेश की गई 7 तदोपरान्त बड़ी संख्या मे शहर व ग्रामीण क्षेत्रो से आये अक़ीदतमंद लंगर मे शामिल हुये

फातेहा मे देश मे अमन, शांति, तरक्की और अक़ीदतमंदो

की खुशहाली के लिये दुआएं की गई 7 इस अवसर पर पठान समाज के सरदार पत्रकार हाजी मुईन खान, भाजपा नेता आसिफ अली, हारून जावेद सौदागर, शादाब खान, रईस खान, आसिफ खान, हामिद अली, वाजिद अली, वसीम खान मूसा, फैजान रदा, नसीम खान, शाहिद कैप्टेन, नौमान खान, असलम खान आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही

विशाल विकास संस्था ग्रुप की पहल द्वारा जबलपुर-इटारसी रेलखंड पर सामान्य एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग

आम जनता की सुविधा, हमारा अधिकार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। विशाल विकास संस्था ग्रुप के, पारस राठौर, अमित रजक, शैलेन्द्र जायसवाल, मनीष गुप्ता, राजेश साहू, श्रीमती आराधना साहू, श्रीमती सुमी सुनाने, श्रीमती गीता पाण्डेय, श्रीमती पूजा राठौर आदि सभी सदस्यों ने सांसदगण से विनम्र निवेदन एवं नर्मदापुरम, मंडला एवं जबलपुर संसदीय क्षेत्रों के सांसद महोदय से सादर निवेदन है कि, जबलपुर इटारसी एवं इटारसी जबलपुर के बीच बिना आरक्षण वाली एक सामान्य एक्सप्रेस (15 से 20 डिब्बों की) दोपहर के समय दोनों दिशाओं में प्रतिदिन चलाई जाए। यात्रियों की सुविधा के लिए यह मांग अत्यंत आवश्यक है। विंध्याचल एक्सप्रेस जो जबलपुर-इटारसी के बीच चलती है उसके समय पालन में सुधार किया जाए ताकि दैनिक यात्रियों को हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। क्यों जरूरी है? - रोजाना हजारों यात्री बिना आरक्षण यात्रा करते हैं। भीड़, असुविधा और लंबे इंतजार से राहत मिलेगी। छात्रों, नौकरीपेशा और व्यापारियों को बड़ी सुविधा होगी। समय पर ट्रेन चलने से समय और धन की बचत होगी। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कृपया शीघ्र पहल करें।

जून माह में टिकट चैकिंग से 15 करोड़ 3 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के जून 2026 में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 1 लाख 75 हजार 900 मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 15 करोड़ 3 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

चालू वित्तीय वर्ष के जून 2026 में मुख्यालय एवं मंडलों पर परफॉरमेंस इस प्रकार रहा ः-

मुख्यालय सीसीएम स्क्काड ः मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 3 हजार 400 मामलों से 24 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। जबलपुर मंडलः टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 84 हजार 900 मामलों से 7 करोड़ 71 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। भोपाल मंडलः टिकट जांच के दौरान 56 हजार मामलों से 4 करोड़ 22 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। कोटा मंडलः टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 31 हजार 600 मामलों से 2 करोड़ 86 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

भोपाल -मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने कहा है कि भावी पीढ़ी के लिए हरित मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। साथ ही प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का नैतिक दायित्व है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को एक व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार हरियाली महोत्सव, व्यापक वृक्षारोपण और जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित एवं हरित मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा

इन्दौर में हुई 21 लाख पौधारोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों की स्थापना के महाभियान की शुरुआत

प्राण वायु का स्थाई प्रबंध है एक पेड़ मां के नाम अभियान -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पौधरोपण एवं जल बचाने में सहयोगी पृथ्वी संस्था और नक्सल उन्मूलन में सेवाएं दे चुके बीएसएफ के 2 जवानों को दिए जाएंगे 2-2 लाख रुपये

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जो हमें जीवन दें, सद्मार्ग पर ले जाए, वह सदैव वंदनीय है। हमारे लिए प्रकृति ही परमेश्वर के स्वरूप है, क्योंकि यह हमें जीवन देती है, हमारा उदर-पोषण करती है। इसलिए हम सबको प्रकृतिपूजक बनकर इसकी वंदना करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार भी हैं और वसुधा का श्रृंगार भी। वृक्ष ऋषि मुनियों के समान एक ही स्थान पर रहकर साधना करते हैं। यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा को स्वयं ग्रहण कर हमें सकारात्मक ऊर्जा (प्राण वायु) देने वाले उदार साधक होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजर भूमि को हरियाली की चादर ओढ़ाना प्रकृति माता को हरी चुनरी ओढ़ाने जैसा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर चलाया जा रहा है %एक पेड़ मां के नाम% अभियान कोई शासकीय कार्यक्रम नहीं, ये जीवन के लिए सांसों का स्थायी प्रबंध करने का अभियान है। जल, जंगल, जमीन और जानवर जिनसे हमारा पारिस्थितिकीय-तंत्र तैयार होता है, यह अभियान इनकी सुरक्षा का मिशन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर जिले के ग्राम बुढ़ानिया स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां अपनी पूजनीय माता स्व. श्रीमती लीला बाई यादव की स्मृति में संतरे का फलदार पौधा लगाकर इन्दौर में 21 लाख पौधारोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों की स्थापना (निर्माण) कार्य के महाभियान का दीप प्रज्?वलन कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पंच महाभूतों का मान्यता मिली है। इसमें सबसे प्रमुख है जल। जल से ही हमारा जीवन है। %एक पेड़ मां के नाम% अभियान तथा जल, जंगल एवं पर्यावरण बचाने के पुनीत महाभियान में पूरे समाज की सहभागिता बेहद सराहनीय है। हम सबको मिलकर इस दिशा में आगे आना ही चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधरोपण एवं जल संचयन में सरकार और समाज की सहयोगी सामाजिक संस्था पृथ्वी को प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख रुपये और प्रदेश में चलाए गए नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले बीएसएफ के दो जवानों को मंच से सम्मानित कर 2-2 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

इंदौर ने दिखाई जल संरक्षण में बेहतर करने की दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर अतीत के उस गौरवशाली पृष्ठ के रूप में जानी जाती है, जिसने सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित किया। देवी अहिल्या माता ने अपने शासनकाल में अपने मूल उत्तरदायित्व के साथ-साथ प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर कुंए और बावड़ियां बनाई। उन्हीं से प्रेरणा लेते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने जल संरक्षण की दिशा में नदी, तालाब, कुंए, बावड़ियों की सफ़ाई और इनके पुनर्निर्माण का अभियान चलाया है। इंदौर में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण का काम हुआ। इंदौर ने देश को जल संरक्षण की दिशा दिखाई है। इससे देश में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में अलनीनो जैसी जलवायु से जुड़ी चुनौती हमारे सामने हैं। ऐसे में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण ही सबसे प्रभावी उपाय है। %एक पेड़ - मां के नाम% अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी पहल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन्दौर जब भी कुछ करता है, रिकार्ड ही बनाता है। जल हो या जंगल, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इन्दौर में बहुत अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण अभियान में 8 से 10 फिट के पौधे लगाए जा रहे हैं, जो जल्दी ही बड़े होकर फल देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह इस अभियान तीसरा साल है और हर साल इसमें समाज की सहभागिता बढ़ती ही जा रही है।

अगले तीन दिनों में यहां 1 लाख से अधिक वन प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस अमृत हरित महोत्सव-2026 में इन्दौर जिले में 21 लाख पौधे लगाने का संकल्प लेने के लिए जिलेवासियों को बधाई दी। वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि इन्दौर प्रदेश की आर्थिक राजधानी होने के साथ अब पर्यावरण संरक्षण की दिशा तय कर रहा है। %एक पेड़ - मां के नाम% के तहत 21 लाख पौधे लगाने के संकल्प का महाभियान निस्संदेह बेहद सराहनीय है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धरती माता ने हमें जल, जंगल, जैव संपदा और खनिजों का अमूल्य आर्शीवाद दिया है। हमारा मध्यप्रदेश प्रकृति पुत्र है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के लिए पूरा इंदौर जुट गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान एक जन आंदोलन बन चुका है। इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि हम राज्य सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान को और गति दे रहे हैं। हम 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयां बनाने के लक्ष्य की दिशा में अब तक 8 हजार 500 जल इकाइयां बना चुके हैं। इंदौर में जल संवर्धन को हमने जन क्रांति का रूप दे दिया है।

कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, वरिष्ठ समाजसेवी श्री अजय जामवाल, वरिष्ठ नेता श्री कृष्णमुरारी मोघे, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, विधायक श्री मधु वर्मा, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायक श्री गोलू शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीना सतीश मालवीय, श्री श्रवण चावड़ा, श्री विशाल पटेल, श्री सुमित मिश्रा, पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय सहित बीएसएफ के आईजी श्री सिंधु, पौधारोपण और जलसंरक्षण को जन आंदोलन बनाने वाली सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वंयसेवी संस्थाओं के स्वंयसेवक तथा बड़ी संख्या में बीएसएफ के जवान उपस्थित थे।

एथेनॉल चावल मामले की प्रारंभिक जांच में राइस मिलर और कंपनी की भूमिका उजागर

बालाघाट प्रकरण- एफसीआई के चावल की हेराफेरी में राज्य सरकार का कोई संबंध नहीं - खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल (आरएनएस)-खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने स्पष्ट किया है कि बालाघाट जिले में एथेनॉल उत्पादन के लिये भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई द्वारा प्रदाय किए गए चावल की कथित हेराफेरी के मामले में मध्यप्रदेश खाद्य विभाग एवं मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की न तो कोई भूमिका है और न ही उनका इस प्रकरण से कोई संबंध है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि एथेनॉल उत्पादन योजना भारत सरकार की योजना है। इसके अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम द्वारा निर्धारित दरों पर एथेनॉल निर्माता कंपनियों को चावल उपलब्ध कराया जाता है। इसके पश्चात एथेनॉल निर्माता तेल विपणन कंपनियों को एथेनॉल की आपूर्ति करते हैं। इस संपूर्ण व्यवस्था में चावल का आवंटन, मूल्य निर्धारण, परिवहन एवं संचालन संबंधी सभी प्रक्रियाएं केंन्द्रीय एजेंसियों द्वारा संचालित की जाती हैं। राज्य सरकार अथवा उसकी किसी संस्था की इसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भूमिका नहीं होती।

श्री राजपूत ने बताया कि बालाघाट जिले में प्राप्त शिकायत के बाद कलेक्टर द्वारा कराई गई

जांच में एफसीआई द्वारा एवीजे एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड, बोरगांव (जिला छिंदवाड़ा) को एथेनॉल उत्पादन के लिए प्रदाय किया गया 242.55 क्विंटल (490 बोरी) चावल ट्रक क्रमांक सीजी 04-जेडी 3147 में संचेती राइस मिल, वारासिवनी (जिला बालाघाट) के परिसर में पाया गया। प्रथम दृष्टया चावल के व्यपवर्तन की पुष्टि होने पर एवीजे एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि तथा संचेती राइस मिल के संचालक के विरुद्ध वारासिवनी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। राज्य सरकार पुलिस जांच में पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

श्री राजपूत ने कहा कि प्रारंभिक जांच में एथेनॉल उत्पादन के लिए एफसीआई द्वारा उपलब्ध कराए गए टीटी चावल की कथित हेराफेरी में संबंधित एथेनॉल निर्माता कंपनी एवं राइस मिलर की भूमिका सामने आई है। श्री राजपूत ने कहा कि एथेनॉल उत्पादन के लिए प्रदाय किए जाने वाले चावल में होने वाली किसी प्रकार की गड़बड़ी रोकने तथा व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी को पत्र लिखकर अविलंब कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। खाद्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। जो भी व्यक्ति अथवा संस्था दोषी पाई जाएगी, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्कूल समय में भारी वाहनों पर लगे रोक, सुबह 8 से शाम 6 बजे तक बायपास से हो संचालन

गोटेगांव प्रतिनिधि। नगर के मुख्य बाजार और व्यस्त मार्गों पर दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। नगरवासियों ने मांग की है कि सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक नगर सीमा में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा उनका संचालन केवल बायपास मार्ग से कराया जाए।

इन दिनों सभी विद्यालय खुल चुके हैं। प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं पैदल, साइकिल और दोपहिया वाहनों से स्कूल आते-जाते हैं। अधिकांश शिक्षण संस्थानों की छुट्टी शाम करीब 5 बजे होती है। इसी दौरान मुख्य बाजार और प्रमुख मार्गों से गुजरने वाले ट्रक, डंपर और अन्य भारी वाहन दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ा देते हैं। अभिभावकों का कहना है कि संकरी सड़कों पर भारी वाहनों की तेज आवाजाही के कारण बच्चों की सुरक्षा हमेशा खतरे में बनी रहती है। नगर का मुख्य बाजार पहले से ही संकरी सड़कों, बढ़ते यातायात और अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है। ऐसे में भारी वाहनों के प्रवेश से कई बार लंबा जाम लग जाता है, जिससे आमजन, व्यापारियों और विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। नगरवासियों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए बायपास का उद्देश्य ही भारी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश से रोकना था, लेकिन नियमों का प्रभावी पालन नहीं होने के कारण अधिकांश भारी वाहन आज भी मुख्य बाजार से होकर गुजर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों और व्यापारियों ने जिला प्रशासन, पुलिस तथा परिवहन विभाग से मांग की है कि सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक नगर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए। साथ ही नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कर सभी भारी वाहनों को बायपास मार्ग से ही संचालित कराया जाए, ताकि जाम की समस्या से राहत मिले और स्कूली बच्चों सहित आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

गरीब यात्रियों की मांग तेज, वर्षों बाद भी नहीं लौटी सुविधा

इटारसी-सतना शटल शीघ्र चालू करें

गोटेगांव= प्रतिनिधि - कोरोना काल में अस्थायी रूप से बंद की गई इटारसी-सतना शटल ट्रेन आज भी दोबारा शुरू नहीं हो सकी है। क्षेत्र के यात्रियों, विद्यार्थियों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों का कहना है कि यह ट्रेन उनके लिए सबसे सुलभ और किफायती साधन थी। इसके बंद होने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह शटल ट्रेन तत्कालीन सांसद स्वर्गीय हरिविष्णु कामथ के प्रयासों का परिणाम थी और वर्षों तक विंध्य, महाकौशल तथा नर्मदांचल के लोगों की जीवनरेखा बनी रही। लोगों का आरोप है कि कोरोना महामारी के दौरान इसे यह कहकर बंद किया गया था कि परिस्थितियां सामान्य होने पर सेवा पुन: शुरू कर दी जाएगी, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी यह वादा पूरा नहीं हो सका।

यात्रियों का कहना है कि रेलवे लगातार नई ट्रेनों और सुविधाओं की घोषणा कर रहा है, लेकिन आम और गरीब यात्रियों की सबसे उपयोगी शटल सेवा अब तक बहाल नहीं की गई। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को अधिक किराया देकर अन्य ट्रेनों से सफर करना पड़ रहा है या फिर सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है।

क्षेत्र के नागरिकों ने रेल मंत्रालय और पश्चिम मध्य रेलवे से मांग की है कि जनहित को देखते हुए इटारसी-सतना शटल ट्रेन का संचालन शीघ्र शुरू किया जाए। उनका कहना है कि इससे न केवल हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि स्वर्गीय हरिविष्णु कामथ के जनहितकारी प्रयासों को भी सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी।

लोगों ने रेल मंत्री और रेलवे प्रशासन से अपील की है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस बहुप्रतीक्षित शटल सेवा को जल्द बहाल करने की घोषणा की जाए।

गोटेगांव नगर का कब होगा कायाकल्प? मुख्य मार्ग से लेकर वार्डों तक जर्जर सड़कों ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

गोटेगांव प्रतिनिधि। नगर के विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच गोटेगांव की सड़कें अपनी बदहाली की कहानी खुद बयां कर रही हैं। नगर के प्रमुख मार्गों से लेकर अधिकांश वार्डों की गलियां और सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह बने गड्ढों और उखड़ी सड़कों के कारण आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। सड़कों पर जलभराव होने से गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है।

नगरवासियों का कहना है कि वर्षों से विकास के नाम पर केवल घोषणाएं और दावे किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर अपेक्षित काम दिखाई नहीं दे रहा। करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की बातें तो होती हैं, लेकिन नगर की मूलभूत सुविधाओं की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है।

मुख्य बाजार, बस स्टैंड से जुड़े मार्ग, आवासीय कॉलोनियों और विभिन्न वार्डों की सड़कें जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं। कई स्थानों पर सड़कें पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। नगरवासियों का आरोप है कि विकास के नाम पर केवल ढोल पीटा जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। यदि समय रहते सड़कों का पुनर्निर्माण और मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नगर की सभी प्रमुख सड़कों एवं वार्डों की जर्जर सड़कों का सर्वे कराकर शीघ्र गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। नगरवासियों का कहना है कि अब उन्हें आश्वासनों की नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले विकास कार्यों की आवश्यकता है।

आवारा पशुओं का आतंक- सड़कों पर डेरा, राहगीरों की बढ़ी मुसीबत

हांका गैंग की निष्क्रियता से नगरवासी परेशान, हादसों का बढ़ा खतरा

गोटेगांव प्रतिनिधि- नगर में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या अब आमजन के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। मुख्य मार्गों से लेकर मोहल्लों की सड़कों तक गाय, बैल और अन्य मवेशी झुंड बनाकर बैठे रहते हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ती जा रही है। नगरवासियों का कहना है कि संबंधित विभाग और नगर परिषद की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। बारिश के मौसम में स्थिति और अधिक चिंताजनक हो गई है। सड़क के बीचों-बीच बैठे आवारा पशुओं के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे कई बार छोटे-बड़े हादसे होते-होते बचते हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालक, स्कूली छात्र-छात्राएं, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए गठित हांका गैंग लंबे समय से सक्रिय दिखाई नहीं दे रही है। परिणामस्वरूप पशु खुलेआम सड़कों पर विचरण कर रहे हैं और प्रमुख मार्गों पर कब्जा जमाए बैठे रहते हैं। कई स्थानों पर यातायात बाधित होने से लोगों को जाम जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। नगरवासियों ने मांग की है कि नगर परिषद और संबंधित विभाग तत्काल विशेष अभियान चलाकर आवारा पशुओं को सड़कों से हटाने की व्यवस्था करें। साथ ही ऐसे पशु मालिकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाए, जो अपने मवेशियों को खुले में छोड़ देते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो किसी भी दिन बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। नागरिकों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से इस गंभीर जनसमस्या पर तत्काल ध्यान देकर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

गोटेगांव के शासकीय विभागों में कर्मचारियों की भारी कमी, एक कर्मचारी संभाल रहा दो-दो पदों की जिम्मेदारी

गोटेगांव प्रतिनिधि- नगर के विभिन्न शासकीय विभाग इन दिनों कर्मचारियों की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। वर्षों से बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत्त होते जा रहे हैं, लेकिन उनके स्थान पर नई नियुक्तियां नहीं होने से अधिकांश कार्यालयों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि कई विभागों में एक ही कर्मचारी को दो-दो पदों का अतिरिक्त प्रभार संभालना पड़ रहा है।

कर्मचारियों की कमी का सीधा असर न केवल गोटेगांव नगर बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों पर भी पड़ रहा है। विभिन्न प्रमाण पत्र, राजस्व संबंधी कार्य, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। समय पर काम नहीं होने से आमजन में असंतोष बढ़ रहा है। जानकारों का कहना है कि सीमित स्टाफ के कारण कर्मचारियों पर कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों के कारण कई बार जरूरी फाइलों के निस्तारण में देरी होती है, जिससे शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन भी प्रभावित होता है। कर्मचारी भी लगातार बढ़ते दबाव के बीच अपनी जिम्मेदारियां निभाने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शासन को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्तियां करनी चाहिए, ताकि शासकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली सुचारु हो सके और लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें। उनका कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में प्रशासनिक व्यवस्था पर और अधिक दबाव पड़ेगा। नगरवासियों ने शासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि गोटेगांव के सभी शासकीय विभागों में रिक्त पदों का आकलन कर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए। उनका मानना है कि पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध होने पर ही प्रशासनिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा और आम जनता को अनावश्यक परेशानियों से

संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा, जनजागरूकता और सामाजिक सौहार्द बढ़ाने की जिम्मेदारी मिली

मानव अधिकार व सामाजिक न्याय आयोग में मुकेश बिलवार बने जिला संरक्षक

गोटेगांव प्रतिनिधि- मानव अधिकारों की रक्षा और सामाजिक न्याय को सशक्त बनाने की दिशा में मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग ने महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। आयोग के भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार गोटेगांव निवासी मुकेश बिलवार को जिला संरक्षक (प्रोटेक्शन ऑफिसर) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है।

जानकारी के अनुसार मुकेश बिलवार लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई थी। मानव अधिकारों के प्रति उनकी जागरूकता, सामाजिक कार्यों में रुचि और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए आयोग ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है।

यह नियुक्ति मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इं. रविन्द्र सिंह तोमर तथा प्रदेश अध्यक्ष कमलेश राय की अनुशंसा पर की गई है। नियुक्ति पत्र में स्पष्ट किया गया है कि जिला संरक्षक के रूप में मुकेश बिलवार भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के संरक्षण, मानव अधिकारों के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाने तथा समाज में भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इसके अतिरिक्त उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने और जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। आयोग ने अपेक्षा जताई है कि उनके नेतृत्व में जिले में मानव अधिकारों के संरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़े अभियानों को नई गति मिलेगी।

नियुक्ति की जानकारी मिलने पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, शुभचिंतकों एवं नागरिकों ने मुकेश बिलवार को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ निर्वहन कर जिले में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करेंगे।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है?

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? छिहत्तर साल पहले लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गुलामी जैसी किसी प्रथा को निषिद्ध घोषित किया गया। मगर बंधुआ मजदूरी को कानूनन प्रतिबंधित करने में 26 साल और लगे। 1976 में बंधुआ मजदूरी पर रोक का कानून पारित हुआ। अब उसके बाद 50 साल और गुजर चुके हैं। लेकिन जमीनी हकीकत उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जिले का मांडी गांव है, जहां दोना बनाने वाली फैक्टरी से 12 बंधुआ मज़दूर छुड़ाए गए हैं। वैसे मांडी गांव भी सिर्फ एक झांकी है। बंधुआ और बाल बंधुआ मजदूरों से काम लेने या कभी-कभार उन्हें छुड़ाने की खबरें अक्सर हमारे सामने आती रहती हैं। मांडी की घटना बहुचर्चित हुई, तो इसलिए कि वहां मजदूरों से बर्बरता की इंतहा कर दी गई। उनकी दुर्दशा की कहानियों ने लोगों को झकझोरा है। पुलिस और उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में छुड़ाए गए इन श्रमिकों के बारे में सामने आया है कि उन्हें क़ैदियों की तरह रखा गया, मोबाइल छीन लिए गए, पहचान-पत्र जला दिए गए और बाहर निकलने की मनाही कर दी गई। मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक कुछ मज़दूरों की पसलियां टूट गईं, कई के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं और आरोप है कि अत्याचार के चलते कुछ लोगों की मौत भी हुई। यह बात पुलिस ने कही है कि फैक्टरी में मजदूरों से जानवरों जैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया जाता था। उन्हें लोहे की गर्म रॉड, बेल्ट और डंडों से बुरी तरह पीटा जाता था। ये मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से वहां काम की तलाश में वहां आए थे।

जलालाबाद से परशुरामपुरी बनने की गौरवगाथा में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी करके सांस्कृतिक पुनरुत्थान की दिशा में अहम कदम उठाया है, जिससे भगवान परशुराम की जन्मस्थली को वैश्विक पहचान मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन से क्षेत्र के आर्थिक विकास की नींव रखी गई है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 6 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर %परशुरामपुरी% करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। मुग़ल कालीन नाम को हटाकर अपनी मूल सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटना, मात्र एक नाम का परिवर्तन नहीं बल्कि भारत के गौरवशाली अतीत और सनातन अस्मिता की पुनर्स्थापना है। जलालाबाद से परशुराम पुरी की यह यात्रा केवल एक कस्बे के नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है। यह उस सोच का विस्तार है जिसमें स्थानीय इतिहास, लोक-आस्था और सांस्कृतिक स्मृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। भगवान परशुराम, जो शस्त्र और शास्त्र दोनों के प्रतीक माने जाते हैं, उनकी जन्मस्थली को उचित पहचान मिलना नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन सकता है। कलाऔर मनोरंजन जलालाबाद का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह भगवान परशुराम की तपोभूमि और जन्मस्थली रहा है। इसके बाद, महाभारत काल में भी इस क्षेत्र का विशेष महत्व था, माना जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय यहाँ के वनों में बिताया था लेकिन मुग़ल काल में थोपे गए इस नाम के कारण इस भूमि की वास्तविक पहचान कहीं छिप गई थी। मुग़ल दस्तावेज़ों में भी इस क्षेत्र का ज़िक्र एक महत्वपूर्ण परगने के रूप में करके इसकी महत्वपूर्ण धार्मिक पहचान को मिटाने का काम किया गया। प्राचीन, सनातन और वास्तविक गौरव %परशुरामपुरी% का यह नाम परिवर्तन वास्तविकता में केवल धार्मिक नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। जैसे ही यह क्षेत्र आधिकारिक तौर पर %परशुरामपुरी% के रूप में स्थापित होगा, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, लॉज, परिवहन, हस्तशिल्प, और पूजा-सामग्री से जुड़े स्थानीय व्यापार को भारी गति मिलेगी। युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। परशुरामपुरी के भव्य विकास के लिए सड़कों का चौड़ीकरण, मंदिर परिसर का सुंदरीकरण और बुनियादी ढांचागत विकास तेज होगा, जिससे इस पूरे क्षेत्र के आर्थिक स्तर में भारी सुधार देखने को मिलेगा। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे धार्मिक केंद्रों में हाल के वर्षों में हुए कायाकल्प के बाद वहां श्रद्धालुओं की संख्या और स्थानीय आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है—परशुरामपुरी से भी वैसी ही अपेक्षा की जा रही है।वर्तमान में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद जब उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे तब बीजेपी की डबल इंजन सरकार ने परशुराम मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, सड़क संपर्क, बिजली-पानी की बेहतर व्यवस्था और श्रद्धालु सुविधा केंद्रों पर निवेश करना प्रारंभ कर दिया था। अब शाहजहांपुर से सटे जिलों के लोगों का मानना है कि यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में एक प्रमुख धार्मिक-पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर सकता है। शाहजहांपुर, जो अब तक मुख्यत: कृषि और लघु उद्योगों पर निर्भर रहा है, मात्र इस पहचान के जरिए ही धार्मिक अर्थव्यवस्था के मानचित्र पर भी अपनी जगह बना सकता है। जलालाबाद को %परशुरामपुरी% बनाने का यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस वृहद् सोच का हिस्सा है, जो भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को राष्ट्र के विकास का आधार मानती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि भगवान परशुराम केवल एक जाति या वर्ग के आराध्य नहीं, बल्कि पूरे भारत के न्याय, करुणा और पुरुषार्थ के प्रतीक हैं। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने कई अवसरों पर रेखांकित किया है कि भारत की प्राचीन अस्मिता और महापुरुषों के गौरव को पुनर्स्थापित करना ही %अमृत काल% का मुख्य संकल्प है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां 'विकास भी और विरासत भी% की सोच को लेकर आगे बढ़ते हैं वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार यह रेखांकित करते रहे हैं कि उनकी सरकार विकास के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक पहचान को भी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते वर्षों में इलाहाबाद से प्रयागराज, मुगलसराय से पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर जैसे कई नामकरणों के जरिए यह नीति लगातार आगे बढ़ी है। इस ऐतिहासिक निर्णय को धरातल पर उतारने का श्रेय केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के साथ ही शाहजहाँपुर के स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनथक प्रयासों को जाता है। स्थानीय विधायकों और जनप्रतिनिधियों के एकजुट नेतृत्व और %भगीरथ प्रयास% का ही परिणाम है कि शासन-प्रशासन स्तर की सभी कड़ियों को पार करते हुए इस प्रस्ताव को कैबिनेट की अंतिम मंजूरी मिल सकी। जनप्रतिनिधियों की इस सजगता ने क्षेत्र के लोगों को अपनी जड़ों पर गर्व करने का ऐतिहासिक अवसर देते हुए इस ऐतिहासिक क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देने का रास्ता खोल दिया है।

विशेष लेख : राजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़: 'ऑटो म्यूटेशन' और 'ऑटो डायवर्सन' से जमीन संबंधी सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन (स्वत: नामांतरण) और ऑटो डायवर्सन (स्वत: व्यवर्तन) जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है।

पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वत: संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

आंकड़ों की जुबानी: सफलता की एक नई गाथा

राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है।

वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा

बदला लेने की आड़ में कही आतंकी ताकतें सक्रिय न हो जाये

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की अमेरिका ईरान युद्ध के चलते इजराइल के मिसाइल हमले में मौत हो गई थी। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद यह समझ लिया था कि बहुत जल्द ईरानी सेना को युद्ध में परास्त कर ईरान के लोगों को खामनेई के कट्टर कानूनों से मुक्ति दिला देंगे। बेशक, युद्ध के पूर्व ईरान की नवपीढ़ी के युवक युवतियां और बच्चा बच्चा अली खामनेई के कट्टरपंथी इस्लामिक शासन से आजादी चाहता था और अपने मुल्क ईरान में स्वतंत्र जीवन जीने की आस लिए अमेरिका की ओर देख रहा था। बकौल ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई के शासन में ईरानी महिलाओं पर सबसे अधिक प्रतिबंध और अत्याचार हुए। यह कहना झूठ नहीं होगा। समूची दुनिया ने खामनेई के दौर में ईरानी महिलाओं पर हुए अत्याचारों के दुखद और दुर्दांत दृश्य देखे भी हैं। दुनिया में यदि सबसे अधिक मानवाधिकारों का हनन कहीं हुआ है तो वह ईरान में ही हुआ है और दुनिया का हर मुल्क ईरानी आवाम की आज़ादी का पक्षधर भी था, लेकिन इजराइल को छोड़ कोई भी देश ईरान की मांद में सीधे हाथ डालना नहीं चाहता था। डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद तथा मध्य पूर्व के देशों के अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दौर में ही हथियारों की सबसे बड़ी डील होने के बाद यह साफ हो गया था कि मध्य पूर्व में अमेरिका ईरान युद्ध कभी भी भड़क सकता है। इजराइल चारों तरफ से ईरान जैसे मुस्लिम देशों से घिरा मध्य पूर्व का इकलौता यहूदी देश है, जो अपने अस्तित्व को जीवित रखने के लिए प्रतिदिन संघर्ष करता है। इजरायल ईरान युद्ध आपसी सीमाओं के कब्ज़े को लेकर वर्षों से जारी है और ईरान द्वारा हमास, हिज़्बुल्लाह, हूती तथा फ़िलिस्तीनी संगठनों के माध्यम से इजरायल को खत्म करने का ही प्रयास किया जाता रहा है। अमेरिका ईरान युद्ध के प्रारंभ होते ही ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की इजराइल के सटीक मिसाइल हमले में मृत्यु के बाद ईरानी सेना के कट्टरपंथी सर्वोच्च नेताओं ने सत्ता की बागडोर अपने हाथों में लेकर जिस प्रकार अपने नेता की मौत पर ईरानी सहानुभूति अर्जित करते हुए युद्ध लड़ा, वह वास्तव में प्रशंसनीय तो था, लेकिन मानवीय दृष्टि से कतई उचित नहीं था। क्योंकि ईरान की हठधर्मिता की वजह से हॉर्मूज जलडमरूमध्य का मार्ग बाधित किया गया, जिससे दुनिया भर में अनावश्यक महंगाई बढ़ी। ईरान अमेरिका युद्ध के साढ़े चार माह बाद कागज़ी समझौते के चलते प्रमुख व्यापारिक समुद्री मार्ग से तेल और गैस के जहाज निकलना शुरू हो गए। सर्वोच्च ईरानी नेता अयातुल्ला अली खामनेई को उनके गृह नगर मशहद में साढ़े चार महीने बाद, 9 जुलाई को दफ़नाया गया। ईरानी सुप्रीम नेता खामनेई को सुपुर्द-ए-खाक करने से पहले ईरान समेत दुनिया भर के अनुयायियों ने उनकी हत्या करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मारने का संकल्प लिया है। बकौल, जिस व्यक्ति के अंतिम जनाज़े में लोगों की इतनी भारी भीड़ हो और उसकी हत्या करने वाले देशों के प्रमुखों की हत्या का संकल्प लिया जाए, तो निश्चित है कि पाकिस्तान जेसे मोकापरस्त देश अपने आतंकवादी संगठनों को सक्रिय करने लग जाएगे और उन्हें इस्लाम के नाम पर अयातुल्ला अली खामनेई की मौत की आड़ में भारत सहित दुनियाभर के देशो में मासूमो का खून बहाने का मंसूबा पाले बैठेगे । आने वाले कुछ महीनों में आतंकी संगठनों द्वारा दुनिया भर में आतंक और दहशत फैलाने की संभावना है। पाकिस्तान, ईरान-अमेरिकी समझौते में मध्यस्थ की भूमिका में था और इस मध्यस्थता के कारण पाकिस्तान ईरान के और करीब आ गया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत से मात खाने के बाद पाकिस्तान इस ताक में है कि किस प्रकार भारत में आतंक फैलाया जाए। इसलिए वह ईरानी सुप्रीमो की मौत का बदला लेने की आड़ में भारत में भी आतंकियों के नेटवर्क को फिर से सक्रिय करने की फिराक में है। यह समय केवल अमेरिका और इजराइल के लिए ही नहीं, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों के लिए भी अत्यंत चौकन्ना रहने का है, क्योंकि मुस्लिम कट्टरपंथी आतंकी ताकतें खामनेई की मौत के बहाने दुनिया में कहीं भी हिंसा और रक्तपात फैला सकती हैं।

अरविंद रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ म.प्र.

विवाह में बार-बार आ रही है बाधा तो जानिए इसके प्रमुख ज्योतिषीय कारण और उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार विवाह में देरी या बार-बार रिश्ते टूटने के पीछे केवल एक कारण जिम्मेदार नहीं होता. किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले संपूर्ण जन्म कुंडली, ग्रहों की स्थिति, दशा, गोचर और योगों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक माना जाता है. आइए जानते हैं वे प्रमुख ज्योतिषीय कारण, जिनके चलते विवाह में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं.

1. सप्तम भाव का पीड़ित होना- सप्तम भाव को विवाह और जीवनसाथी का भाव माना जाता है. यदि इस भाव पर शनि, राहु, केतु या मंगल जैसे पाप ग्रहों का अशुभ प्रभाव हो या सप्तम भाव का स्वामी (सप्तमेश) कमजोर अथवा पीड़ित हो, तो विवाह में देरी, बार-बार रुकावट या रिश्तों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है. 2. कमजोर या पीड़ित शुक्र शुक्र विवाह, प्रेम, आकर्षण और दांपत्य सुख का प्रमुख कारक ग्रह माना जाता है. यदि शुक्र नीच राशि में हो, पाप ग्रहों से प्रभावित हो या कमजोर स्थिति में हो, तो अच्छे रिश्ते बनने के बावजूद विवाह की बात अंतिम चरण तक नहीं पहुंच पाती या बार-बार बाधाएं आती हैं. 3. मंगल दोष यदि जन्म कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश भाव में स्थित हो, तो कुछ परिस्थितियों में इसे मंगल दोष माना जाता है. यह विवाह में विलंब या वैवाहिक जीवन में चुनौतियों का कारण बन सकता है.

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए।

इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है।

भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए। पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए।

लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें।

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

16 जुलाई से जगन्नाथ रथयात्रा के साथ शुरू होगा आस्था का महापर्व, जानिए कैसे होती तैयारियां

सनातन परंपरा के सबसे भव्य और लोकप्रिय उत्सवों में शामिल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा इस वर्ष 16 जुलाई को श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली जाएगी. ओडिशा के पुरी में आयोजित होने वाली यह रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, सेवा, समर्पण और समानता का महापर्व मानी जाती है. इस दिन भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा अपने भव्य रथों पर विराजमान होकर श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर की यात्रा पर निकलते हैं. मान्यता है कि इस यात्रा के दौरान भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं और सभी को दर्शन का अवसर प्रदान करते हैं. रथयात्रा की तैयारियां कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती हैं. परंपरा के अनुसार भगवान के तीनों रथ हर वर्ष नए बनाए जाते हैं. विशेष प्रकार की पवित्र लकड़ी से पारंपरिक शिल्पकार निर्धारित धार्मिक विधि-विधान के साथ इन रथों का निर्माण करते हैं. भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, भगवान बलभद्र के रथ को तालध्वज और देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन कहा जाता है. प्रत्येक रथ का आकार, रंग, ध्वज, पहियों की संख्या और सजावट शास्त्रीय परंपराओं के अनुसार तय होती है. रथयात्रा वाले दिन प्रात:काल भगवान का विशेष श्रृंगार, पूजन और महाभोग अर्पित किया जाता है.

इंडियाहैंडमेड: भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।

हस्तनिर्मित आजीविका के लिए एक डिजिटल इंडिया ब्रिज

भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है।

भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दर्शाती है।

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है।

इंडियाहैंडमेड को 2023 में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

भारत में इंडियाहैंडमेड प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं

इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता है:

विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेस: यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है।

खरीदारों की सीधी पहुंच: कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है।

अधिक मौजूदगी: प्लेटफ़ॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरण: कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है।

वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरण: व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है।

सांस्कृतिक संरक्षण: शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है।

इंडियाहैंडमेड सबसे अलग कैसे

पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिज़ाइन किया गया है। यह एक सहज बाज़ार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लिए एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान, घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर, धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र, आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

जीआई-टैग किए गए उत्पाद

जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जीआई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पश्मीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

ओडीओपी उत्पाद

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं।

विश्वास बनाना और विक्रेता की भागीदारी को आसान बनाना

बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासन: खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है। यह प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दस्तकारी उत्पादों की पेशकश करके विश्वास को भी मजबूत करता है।

विक्रेताओं के लिए सरल ऑनबोर्डिंग: यह मंच कारीगरों, बुनकरों और उत्पादक संगठनों को बाज़ार तक पहुँचने के लिए एक निर्देशित ऑनबोर्डिंग मार्ग प्रदान करता है।

छोटे विक्रेताओं को डिजिटल व्यापार में लाना जीएसटी पंजीकरण के बिना विक्रेता एक नामांकन आईडी का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें केवल अपने राज्य के भीतर बेचने का आदेश है। यह पोर्टल को छोटे कारीगरों और पहली बार डिजिटल विक्रेताओं के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाता है।

बाज़ार के पीछे की सफलता की गाथाएं

इस प्लेटफॉर्म के पीछे कारीगर, बुनकर और उद्यम हैं जिनकी शिल्प परंपराएं डिजिटल व्यापार के माध्यम से फल-फूल रही हैं।

सैंटर्म्स हस्तनिर्मित शिल्प की गर्मी को रोजमर्रा की जिंदगी में लाता है। लकड़ी की सजावट और सुगंधित मोमबत्तियों से लेकर टेराकोटा दीये, संगमरमर की मूर्तियों और हथकरघा साड़ियों तक, प्रत्येक उत्पाद पर्याप्त निगरानी, परंपरा और सुंदरता की सोच को दर्शाता है। दस्तकार क्राफ्ट बेंत और बांस उत्पादों के माध्यम से 500 से अधिक कारीगरों के कौशल को आधुनिक घरों में ले जाता है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नये बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होने की संभावना है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के प्रयासों में काफी हद तक सफलता मिलेगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये बढ़िया रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम बड़े भाई की मदद से पूरा हो जाएगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सीक्रेट रखें, तो सफलता जरूर हासिल होगी। पूर्व निर्धारित काम आज पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। आज फालतू की शॉपिंग करने से बचें,

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे। कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे, तो आपको फायदा जरूर होगा। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मनपसंद तोहफा मिल सकता है। आपके सकारात्मक दृष्टिकोण से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपति को आज किसी सामाजिक समारोह में जाना पड़ सकता है, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी,

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में कथित चंदा चोरी और समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा, हम भगवान राम की रक्षा भाजपा से कर रहे हैं। भाजपा अब बाबर जनता पार्टी बन चुकी है। भाजपा कथित राम मंदिर लूट से देश का ध्यान भटकाने के लिए ही समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा रही है। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए 10 बड़े समझौते, प्रधानमंत्री मोदी बोले-2030 तक दोगुना होगा व्यापार

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड दौरे पर हैं। वहां उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच 10 बड़े समझौतों पर सहमति बनी। साथ ही भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों देशों में केवल 9 महीन में ही एफटीए हुआ है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-न्यूजीलैंड व्यापार और खेल सहभागिता कार्यक्रम को संबोधित किया।

भारत को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में पेश करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के कारोबारी समुदाय से कहा, भारत सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए लॉन्चपैड है। हमने सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन को शासन का आधार बनाया है। आज भारत नीतिगत स्थिरता, राजनीतिक स्थिरता और निरंतर विकास प्रदान करता है। इसीलिए विश्व के लिए हमारा संदेश स्पष्ट है- भारत केवल एक बाजार नहीं है, भारत वैश्विक विकास का लॉन्च पैड है।

प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड की कंपनियों को शहरी गतिशीलता, जल प्रबंधन और अपशिष्ट प्रबंधन में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही न्यूजीलैंड के विश्वविद्यालयों का भारत में परिसर स्थापित करने के लिए स्वागत किया। उन्होंने कहा, हम 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना कर देंगे। न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 1.72 लाख करोड़ रुपये निवेश करेगा। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में भी भारत की मदद करेगा।

रक्षा सहयोग और संयुक्त नौसैनिक अभ्यास बढ़ेंगे। एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए। डेयरी, पशुपालन, सेब और शहद उत्पादन में सहयोग बढ़ेगा। दोनों देश सीधी उड़ानें शुरू करेंगे। डिज़िटल तकनीक, विज्ञान और इनोवेशन में सहयोग। जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन पर समझौता। सांस्कृतिक और समुद्री विरासत संरक्षण पर समझौते। मुक्त और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन। आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह बनाने पर सहमति। व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को बढ़ान पर सहमति।

भारत के सभी 8,284 निर्यात उत्पादों को पहले दिन से ही न्यूजीलैंड के बाजार में शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। भारत के दवा और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के लिए नियामक प्रक्रियाएं आसान होंगी। न्यूजीलैंड एक अस्थायी वीजा कार्यक्रम के जरिए 3 सालों के लिए भारतीय पेशेवरों को हर साल लगभग 1,600 वीजा जारी करेगा। भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम प्रशांत बाजार और व्यापक ओशिनिया क्षेत्र के लिए व्यापार का रास्ता खुलेगा।

टीएमसी में बढ़ी बेचैनी! सांसदों के इस्तीफों के बाद नए राजनीतिक संकट के संकेत

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के उपरांत तृणमूल कांग्रेस के समक्ष आंतरिक और बाह्य संकट गहराता जा रहा है। कालीघाट स्थित पार्टी मुख्यालय के लिए अब संसदीय प्रभाव और संगठनात्मक नियंत्रण बनाए रखना एक कठिन चुनौती बन गया है। एक तरफ राज्यसभा में पार्टी का संख्या बल तेजी से गिर रहा है, तो दूसरी तरफ ऋत्ब्रत बनर्जी गुट समानांतर संगठन खड़ा करके नेतृत्व के लिए बड़ी मुसीबत पैदा कर रहा है। राज्यसभा में बढ़ता बिखराव और इस्तीफों का दौर हालिया राजनीतिक घटनाक्रम में टीएमसी को बड़ा झटका तब लगा जब तीन राज्यसभा सदस्यों ने इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। इस घटना के अगले ही दिन सांसद रुक्मणी मलिक के इस्तीफे की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने ई-मेल के जरिए अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की प्रबल संभावना है कि जल्द ही कुछ और सांसद पार्टी का साथ छोड़ सकते हैं।

न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफ़र लक्सन के साथ।

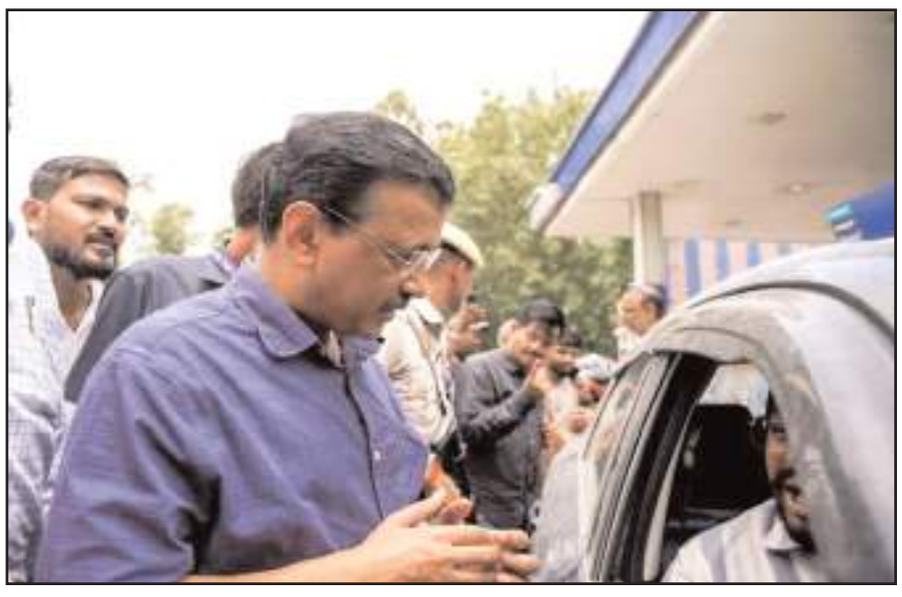

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली में ई20 ईंधन से जुड़ी चिंताओं का जायज़ा लेने के लिए एक पेट्रोल पंप और सर्विस स्टेशन के दौरे के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए ।

केंद्र सरकार ने लिया बड़ा फैसला, कैंसर, शुगर और बीपी समेत 39 दवाओं के दाम किए फिक्स

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने आम लोगों को स्वास्थ्य के मोर्चे पर एक बहुत बड़ी राहत दी है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (ह्वक्क्क) ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 39 नई दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत (रूक्क्क) तय कर दी है। सरकार का यह नया आदेश 'ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013' के तहत जारी किया गया है।

इसके बाद अब दवा कंपनियां इन जरूरी और जीवन रक्षक दवाओं को तय की गई अधिकतम कीमत से एक रुपया भी ज्यादा दाम पर नहीं बेच पाएंगी।

कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियां होंगी सस्ती

सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा उन मरीजों को मिलेगा जो लंबे समय से गंभीर बीमारियों का इलाज करवा रहे हैं। 8 जुलाई को जारी इस आधिकारिक नोटिफिकेशन के दायरे में डायबिटीज (शुगर), हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी, गंभीर इंफेक्शन, आंखों की बीमारी, सांस की तकलीफ (अस्थमा) और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं। लिस्ट के अनुसार, टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन, विटामिन डी3 का ओरल सॉल्यूशन, इमैटिनिब ओरल सॉल्यूशन, एम्पाग्लिफ्लोजिन से जुड़ी कॉम्बिनेशन दवाएं, टेल्मिसार्टन कॉम्बिनेशन, एस्पिरिन और एटोरवास्टेटिन वाले कैप्सूल तथा क्लोपिडोग्रेल कॉम्बिनेशन दवाओं के दाम अब पूरी तरह नियंत्रित रहेंगे। मनमाने ढंग से त्रस्ज्ञ लगाने पर भी लगी रोक

एनपीपीए के इस कड़े आदेश के मुताबिक, सभी दवा कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे तुरंत अपने डीलरों और राज्यों के ड्रग रेगुलेटर को इन नई कीमतों की आधिकारिक जानकारी दें। इसके साथ ही दुकानों, मेडिकल स्टोर्स और अस्पतालों तक अपडेटेड प्राइस लिस्ट पहुंचानी जरूरी होगी ताकि मरीजों को सीधा लाभ मिल सके। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि कंपनियां दवा की एमआरपी पर जीएसटी (त्रस्ज्ञ) सिर्फ तभी जोड़ सकती हैं, जब वह टैक्स सरकार को असल में चुकाया गया हो। मनमाने ढंग से एक्स्ट्रा टैक्स वसूलने की छूट बिल्कुल नहीं दी जाएगी।ज्यादा पैसे वसूले तो ब्याज समेत वापस लेगी सरकार एनपीपीए ने मुनाफाखोरी करने वाली कंपनियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। आदेश में कहा गया है कि यदि कोई भी दवा कंपनी या मेडिकल स्टोर तय कीमत से ज्यादा दाम वसूलते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे वह अतिरिक्त वसूली गई पूरी रकम भारी-भरकम ब्याज के साथ सरकार को वापस करनी होगी। यह दंडात्मक कार्रवाई 'ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर' और 'एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट' (आवश्यक वस्तु अधिनियम) के तहत की जाएगी। सरकार का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के आम और गरीब लोगों को जरूरी दवाएं बेहद उचित दाम पर मिल सकें और कोई भी मरीजों की मजबूरी का फायदा न उठा सके।

हाई कोर्ट में जब आईएएस अफसर को मांगनी पड़ी माफी, फिर भी जज ने बैरंग लौटाया

कोच्चि,(आरएनएस)। केरल हाई कोर्ट में एक बेहद दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को अदालत में पेश होकर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी। केरल के काजू विकास विभाग के प्रभारी सचिव आईएएस के बीजू ने कोर्ट की अवमानना मामले में अपनी गलती तो मान ली, लेकिन जज साहब उनकी इस माफी से जरा भी संतुष्ट नजर नहीं आए। हाई कोर्ट ने उनके माफीनामे को खारिज करते हुए उन्हें इसे दोबारा और सुधार के साथ लिखकर पेश करने का सख्त निर्देश दिया है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को तय की गई है।

जस्टिस ए बदरुद्दीन कडाकम्पल्ली मनोज की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आईएएस अधिकारी के बीजू को खुद अदालत में पेश होना पड़ा। अपने बचाव में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने बयान पर गहरा अफसोस है और उनकी भाषा से ऐसा लग सकता है कि माननीय कोर्ट के अधिकारों को प्रभावित करने वाला कोई बयान दिया गया हो। बीजू ने अपने उस विवादित आदेश की हर बात को वापस लेने की बात कही और बिना किसी शर्त के माफी मांगी। उन्होंने अदालत में सफाई देते हुए कहा कि उनकी मंशा कभी भी न्यायिक समझ पर सवाल उठाने की नहीं थी,

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आईएनएस महेंद्रगिरि के कमीशनिंग समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन के साथ।

मुंबई पुलिस को मिली दिल्ली के लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई पुलिस को शनिवार को एक धमकी भरा फोन आया जिसमें दिल्ली के लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह जानकारी दिल्ली पुलिस के नियंत्रण कक्ष के साथ साझा कर दी गई है। जांच करने पर पुलिस को पता चला कि धमकी भरा फोन फर्जी था। जांच के बाद अधिकारियों ने सुरक्षा संबंधी किसी और चिंता की बात सामने न आना बताया है। हालांकि, पुलिस अब धमकी देने वाले का पता लगाने में जुटी है।

अधिकारियों ने बताया कि एक महीने पहले दिल्ली नगर निगम के मेयर के आधिकारिक ईमेल पर एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कार्रवाई की। ईमेल में दिल्ली और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर संभावित विस्फोटों की चेतावनी दी गई थी, जिसके चलते अधिकारियों ने तत्काल बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्ते दस्ते के साथ मिलकर कार्रवाई की थी, लेकिन जांच में कुछ भी नहीं मिला था। दिल्ली में बम की धमकियां मिलने का सिलसिला काफी पहले से चल रहा है। पूर्व में कई उड़ानों में बम होने की खबर सामने आई थी। जिसके बाद गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

रामलला के खजाने पर डाका डाल शेयर बाजार में लगाते थे पैसा, दान चोरी मामले में बड़ा खुलासा

अयोध्या ,(आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दरबार में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए दान की चोरी मामले में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रामलला के खजाने पर डाका डालने वाले शातिर आरोपी इस चोरी के पैसे को सिर्फ ऐशो-आराम में नहीं उड़ा रहे थे, बल्कि इसे सफेद करने के लिए शेयर बाजार (स्क्लश्चय्म स्द्बह्म्द्गह्ल) में भी मोटा दांव खेल रहे थे। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने एक पूरी साजिश के तहत दान के काले पैसे को 'नंबर एक' बनाने का खेल रचा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपियों के कई रिश्तेदारों और करीबियों के खातों पर भी कड़ा शिकंजा कस दिया है।

रिश्तेदारों के खातों से खेला गया 'व्हाइट मनी' का खेल सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, चढ़ावे से चुराए गए कैश को आरोपी सीधे अपने खातों में जमा नहीं करते थे। पैसों का असली सोर्स छिपाने के लिए पहले इस नकदी को रिश्तेदारों और जानकारों के बैंक अकाउंट में जमा कराया जाता था। इसके बाद वही पैसा ट्रांसफर के जरिए आरोपियों के निजी खातों में पहुंचता था, ताकि इसे पूरी तरह से वैध कमाई दिखाया जा सके। इस गोरखधंदे का पर्दाफाश होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के दोस्तों और रिश्तेदारों के करीब दो दर्जन बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इसके अलावा, पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि चुराया गया सोना किन स्थानीय सर्राफा कारोबारियों द्वारा गलाया जाता था।

15 साल का भरोसा पड़ा भारी! ज्वेलरी फर्म से 5.80 करोड़ के सोने के गबन का खुलासा

मुंबई ,(आरएनएस)। दक्षिण मुंबई के दागीना बाजार स्थित 121 साल पुरानी प्रतिष्ठित ज्वेलरी फर्म संघवी धनरूपजी देवाजी ज्वेलर्स में करीब 5.80 करोड़ रुपये के सोने के गबन का मामला सामने आया है। फर्म के मालिक ने आरोप लगाया है कि 15 वर्षों से मैनेजर के पद पर कार्यरत उनके बेहद भरोसेमंद कर्मचारी ने ही इस बड़ी हेराफेरी को अंजाम दिया है। आरोपी ने रिकॉर्ड में हेरफेर कर करीब 6.1 किलोग्राम सोने के गहने गायब कर दिए। शिकायत के बाद एल. टी. मार्ग पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

भरोसे का गला घोंटकर की गई करोड़ों की हेराफेरी

शिकायतकर्ता विनीत नवरतन राणावत के अनुसार, आरोपी मितेश कोठारी को उनके परिवार से पुराने संबंधों के चलते करीब 15 साल पहले नियुक्त किया गया था। उसे तिजोरी की चाबियों से लेकर स्टॉक और अकाउंट्स तक की पूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा और केंद्रीय मंत्री %योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नई दिल्ली में दिल्ली हाट, आईएनए में मेघालय अनानास महोत्सव के चौथे संस्करण के उद्घाटन के दौरान.

आम आदमी पार्टी (आप) से अलग हुए गुट इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) के 16 सदस्य, जिसकी अगुवाई छह बार के पार्षद मुकेश गोयल कर रहे थे, दिल्ली बीजेपी कार्यालय में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और रेखा गुप्ता की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हो गए और उसका हिस्सा बन गए।

भारतीय नौसेना की बढ़ी ताकत, मिला नया ताकतवर युद्धपोत 'महेंद्रगिरि', रक्षा मंत्री बोले-यह देश की सुरक्षा में मील का पत्थर

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम, ,(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया। यह प्रोजेक्ट-17ए के तहत निर्मित छठा स्वदेशी युद्धपोत है, जिसे भारतीय नौसेना के ईस्टर्न फ्लीट में शामिल किया गया है।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश देश के रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण क्षेत्र में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि आईएनएस महेंद्रगिरि हवा, समुद्र और पानी के भीतर से आने वाले खतरों का एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है।

नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित समारोह में वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में राजनाथ सिंह ने इसे भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल के वैश्विक घटनाक्रमों ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी देश के लिए एक सक्षम और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली नौसेना कितनी आवश्यक होती है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारतीय नौसेना ने 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' के तहत 9,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का आवश्यक सामान लेकर जा रहे 18 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय नौसेना केवल एक मजबूत सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि देश के आर्थिक हितों की भी प्रभावी संरक्षक है।

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है, जबकि इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (मुंबई) ने किया है। यह भारत की सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें दुश्मन के रडार से बचने की उन्नत तकनीक, अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली और उच्च स्तर का ऑटोमेशन शामिल है। यह युद्धपोत समुद्र में विभिन्न प्रकार के सैन्य अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

इस युद्धपोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का उपयोग किया गया है,

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपनी अदाकारी का जलवा बिखरने के बाद जल्द ही हॉलीवुड में तहलका मचाने जा रही हैं। हाल ही एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान दिशा ने हॉलीवुड में डेब्यू को लेकर खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि किस तरह से उनके हाथ ये विदेशी मूवी आई है। भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

डीप वी-नेक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक्टिंग के साथ-साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल एथनिक वियर, रकुल हर लुक को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है।

इस नए अवतार में रकुल का बोल्ड और सिजलिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। तस्वीरों में रकुल मिरर-वर्क को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं।

रकुल ने चारकोल/डार्क ग्रे शेड का एक बेहद खूबसूरत को-ऑर्ड सेट पहना है। इसके ऊपरी हिस्से में एक प्लंजिंग डीप वी-नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज है। इस ब्लाउज पर मिरर वर्क और क्रिस्टल्स का बेहद बारीक और चमकीला काम किया गया है।

बॉटम के लिए रकुल ने इसी मैचिंग फैब्रिक का बॉडी-हगिंग और नीचे से फ्लेयर्ड स्कर्ट-पैंट कैरी किया है। यह आउटफिट उनकी परफेक्टली

टोंड मिड्रिफ और कर्वी फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है।

अपने इस बोल्ड लुक में एलीगेंस जोड़ने के लिए उन्होंने मैचिंग लैवेंडर-ग्रे टोन का दुपट्टा कैरी किया है। इस दुपट्टे के किनारों पर लगी शिमरी फ्रिंज उनके हर मूवमेंट में एक ड्रामेटिक और रॉयल टच जोड़ रही है।

तस्वीरों में रकुल एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी लकड़ी के भारी दरवाजे का सहारा लेकर कैमरे की तरफ देख रही हैं, तो कभी साइड-प्रोफाइल पोज देते हुए अपनी परफेक्ट बॉडी लाइन को फ्लॉन्ट कर रही हैं।

धमाल 4 के साथ खत्म नहीं होगा इस फ्रैंचाइजी का भविष्य, फिल्म में मिला संकेत

अजय देवगन की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म धमाल 4 अपनी रिलीज से एक दिन दूर है। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी अपने-अपने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि निर्माता पूरी तरह आश्वत हैं कि पिछली किस्तों की तरह, धमाल 4 भी सफल होगी। इसका कारण फिल्म के आखिर में मिला जबरदस्त संकेत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, धमाल 4 के आखिर में इसकी अगली कड़ी को लेकर संकेत दिया गया है। एक सूत्र ने इस बारे में खुलासा करते हुए बताया, धमाल 4 के आखिर में एक ऐसा दृश्य है जो संकेत देता है कि धमाल 5 भी जल्द ही आने वाला है।

बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं- शूट के बाद भीगने चली गई

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नत- हर खुशी पाने की को लेकर सुर्खियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं.

आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है. उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं.

जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का

कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है. हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी-शर्ट और फ्लिप-फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं.

वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है.

हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

बॉक्स ऑफिस पर 'अल्फा' को जमकर टक्कर दे रही 'वेलकम टू द जंगल', बेबी डू डाई डू और कॉकटेल 2 की रफ्तार धीमी

सिनेमाघरों में इस समय आलिया भट्ट और शरवरी अभिनीत अल्फा तथा अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। दोनों फिल्में दर्शकों का अच्छा समर्थन हासिल कर रही हैं, हालांकि सप्ताहांत के बाद कमाई की रफ्तार में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू अभी तक दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल नहीं हो सकी है। दूसरी ओर कॉकटेल 2 की कमाई अब धीरे-धीरे लाखों तक सिमट गई है।

आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर अल्फा ने रिलीज के शुरुआती दिनों और पहले वीकेंड में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है। बुधवार को फिल्म ने 2.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो रिलीज के छह दिनों में इसका सबसे कम दैनिक कलेक्शन रहा। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 44.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। वहीं 26 जून को रिलीज हुई अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। बुधवार को फिल्म ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 122.90 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म अब भी दर्शकों की पसंद बनी हुई है और टिकट खिड़की पर मजबूती से टिकी हुई है। छोटे बजट में बनी हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू को अब तक उम्मीद के मुताबिक दर्शक नहीं मिल पाए हैं। रिलीज के छह दिनों में फिल्म एक भी दिन एक करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। बुधवार को इसने 53 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल कलेक्शन 3.11 करोड़ रुपये पहुंच गया।

बदहाल स्कूल, बेफिक्र हेडमास्टर! आदर्श बाल विद्यालय में दिखेगा के के मेनन का नया अवतार, पहली झलक संग तय हुई रिलीज डेट

ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी नई ऑरिजिनल कॉमेडी-ड्रामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। इसका निर्देशन हिमांक गौर ने किया है, जबकि बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले इसे एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है। शो को लिखने में बिस्वपति सरकार के साथ अक्षय अस्थाना, नूपुर पाई, तत्सत पांडे और मेघना श्रीवास्तव जैसी लेखकों की टीम ने योगदान दिया है।

मुख्य भूमिका में दिग्गज अभिनेता के के के मेनन नजर आएंगे। उनके साथ अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी और अभिमन्यु सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदारों में दिखेंगे। यह सीरीज दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम की जाएगी। सात एपिसोड्स वाली इस बेहद दिलचस्प सीरीज का प्रसारण आगामी 24 जुलाई से होने जा रहा है।

इस सीरीज की कहानी एक ऐसे सरकारी स्कूल के इर्द-गिर्द बुनी गई है जो अपनी बदहाली के आखिरी छोर पर है। कहानी के केंद्र में हैं ज्ञानेश्वर त्रिपाठी (के के मेनन), जो इस स्कूल के बेहद बेफिक्र मिजाज वाले हेडमास्टर हैं। ज्ञानेश्वर का एक बड़ा सपना है, कैंब्रिज में होने वाले एक प्रतिष्ठित सरकारी ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होना। इसी चाहत के चलते वे अनजाने में स्कूल की सूरत बदलने के एक अनोखे और चुनौतीपूर्ण सफर पर निकल पड़ते हैं। शहर के सबसे पिछड़े और अव्यवस्थित स्कूल को सुधारने के लिए वे अजीबोगरीब शिक्षकों की एक टीम बनाते हैं। इस सफर में उन्हें संसाधनों की भारी किल्लत, शरारती बच्चे, लापरवाह पेरेंट्स और प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ता है। यह शो हंसी-मजाक के साथ-साथ भावनाओं का एक खूबसूरत ताना-बाना पेश करता है। प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड, निखिल मधोक ने सीरीज़ को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि आदर्श बाल विद्यालय हमारे एजुकेशन सिस्टम की कमियों को बेहद हल्के-फुल्के और मजेदार अंदाज में सामने लाती है। यह कहानी दिल को छूने वाली और हर आम इंसान को अपनी सी लगने वाली है। वहीं शो के को-क्रिएटर बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने बताया कि इस शो की शुरुआत एक छोटे से विचार से हुई थी। वे एक ऐसे स्कूल की कहानी दिखाना चाहते थे जो हर मोर्चे पर नाकाम दिख रहा है, लेकिन फिर भी वहां के शिक्षकों और छात्रों का जज्बा उसे जिंदा रखे हुए है। उन्होंने मुख्य किरदार की तारीफ करते हुए कहा कि ज्ञानेश्वर के रूप में के के मेनन ने अपने बेमिसाल अभिनय से जान फूंक दी है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएगा।

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टील- इन प्रेशर कुकर्स में से किसका चयन करना है बेहतर?

प्रेशर कुकर्स खाना पकाने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका है। ये उच्च तापमान और प्रेशर के तहत भोजन को तेजी से पका सकते हैं। हालांकि, जब बात प्रेशर कुकर्स की हो, तो बाजार में एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के कुकर्स उपलब्ध हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील में से किसका चयन करना अधिक सुरक्षित और लाभकारी है ताकि आप अपने रसोई के लिए सही विकल्प चुन सकें।

एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स के फायदे

एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स हल्के होते हैं और जल्दी गर्म होते हैं, जिससे खाना पकाने का समय कम होता है। ये कुकर्स आमतौर पर सस्ते होते हैं और इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। एल्युमिनियम कुकर्स अच्छे तापमान वितरण प्रदान करते हैं, जिससे खाना समान रूप से पकता है। हालांकि, इन पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि अगर इन्हें तेज आग पर रखा जाए तो ये खराब हो सकते हैं।

स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स के लाभ

स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक मजबूत होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनका उपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना

पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। ये कुकर्स साफ करने में भी आसान होते हैं और इनका डिजाइन आकर्षक होता है। स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स में खाना पकाने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं।

सेहत पर प्रभाव

जब बात सेहत की आती है, तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। एल्युमिनियम कुकर्स में कभी-कभी एल्युमिनियम के कण भोजन में मिल सकते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे ये सेहत पर कोई असर नहीं डालते। इसलिए अगर आप अपनी सेहत को लेकर चिंतित हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स का चयन करना बेहतर होगा।

कीमत और देखभाल पर ध्यान दें

कीमत दोनों प्रकार के कुकर्स में भिन्नता हो सकती है। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है, वहीं स्टेनलेस स्टील कुकर्स महंगे होते हैं, लेकिन इनकी उम्र लंबी होती है और देखभाल भी आसान होता है। अगर आप लंबे समय तक उपयोग करने योग्य कुकर चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील कुकर्स का चयन करें। हालांकि, अगर आपका बजट सीमित है तो आप एल्युमिनियम कुकर्स भी ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इन्हें सुरक्षित रखें।

दोनों में से किस प्रेशर कुकर का करना चाहिए चयन

एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के प्रेशर कुकर्स अपने-अपने फायदे और नुकसान रखते हैं। अगर आप सुरक्षित, मजबूत और सेहतमंद विकल्प चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स सबसे अच्छा विकल्प होगा। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है और सेहत पर असर डाल सकते हैं। इसलिए अपनी जरूरतों और बजट के अनुसार सही विकल्प चुनें ताकि आप सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से खाना पका सकें।

रोजाना कुछ मिनट करें नाड़ी शोधन प्राणायाम, इससे मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

नाड़ी शोधन प्राणायाम एक योगाभ्यास है, जो सांस की प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है। यह प्राणायाम न केवल शारीरिक सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। इसे नियमित रूप से करने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। आइए इस प्राणायाम के 5 मुख्य लाभ जानते हैं।

तनाव को कम करने में सहायक

नाड़ी शोधन प्राणायाम करने से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। जब आप गहरी सांस लेते हैं और धीरे-धीरे छोड़ते हैं तो आपका मन शांत होता है और आप अधिक संतुलित महसूस करते हैं। यह प्रक्रिया आपके मन को शांति देती है और आपको तनावमुक्त बनाती है। इससे आपकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप बेहतर तरीके से विचार कर सकते हैं और निर्णय ले सकते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाना

नाड़ी शोधन प्राणायाम पाचन तंत्र के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इस प्राणायाम को नियमित रूप से करने से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे पाचन क्रिया में सुधार होता है। इसके अलावा यह प्राणायाम पेट की गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को भी दूर करता है। गहरी सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया से पेट में खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे पाचन तंत्र अधिक प्रभावी बनता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

नाड़ी शोधन प्राणायाम दिल के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि इससे खून का बहाव बेहतर होता है और दिल पर दबाव कम पड़ता है। नियमित रूप से यह प्राणायाम करने से दिल की धड़कन सामान्य रहती है और रक्तचाप भी नियंत्रित रहता है। इसके अलावा इससे तनाव कम होता है, जो दिल के मरीजों के लिए फायदेमंद है। यह प्रक्रिया दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है और इसे मजबूत बनाती है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार

अगर आपको नींद आने में दिक्कत होती है या आपकी नींद पूरी नहीं होती तो नाड़ी शोधन प्राणायाम आपकी मदद कर सकता है। यह प्राणायाम दिमाग को शांत करता है और आपको गहरी नींद लेने में मदद करता है। नियमित रूप से इस प्राणायाम को करने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इससे आपकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप दिनभर ऊर्जावान रहते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना

शब्द सामर्थ्य -095

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, मामला, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. माँ का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

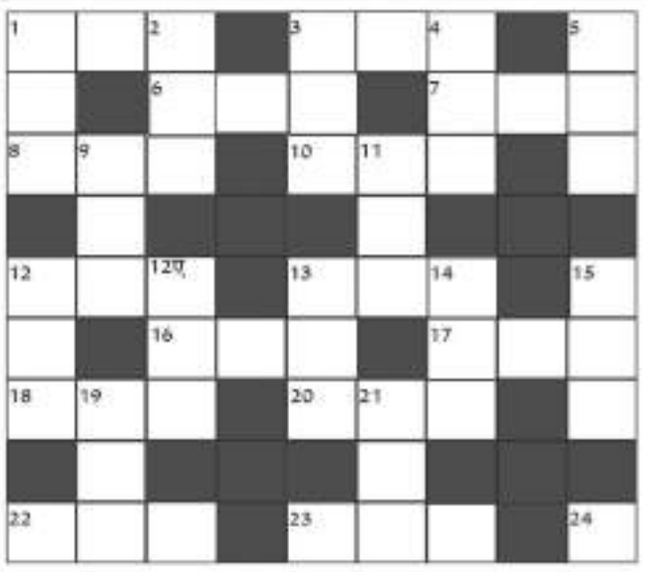

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 094 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी में रात देवेन्द्र पटेल उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम झुरझुरू पनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सेंटरिंग का काम करता है दिनांक 11-7-26 की रात लगभग 8-30 बजे काम करके अपने साथी श्रीराम के साथ घर वापस जा रहा था रास्ते में पटेल पान टपरा के पास सुभाषनगर झंडा चौक रांझी में गुटखा लेकर श्रीराम के साथ जाने लगा तभी वहीं खड़े अंशु वंशकार, ईशू और साजन उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे,

सांसद आशीष दुबे के प्रयास लाए रंग

जबलपुर से कोलकाता के लिए सीधी उड़ान प्रारंभ होगी

एलायंस एयर शुरू कर रहा जुलाई अंत या अगस्त की शुरुआत से मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को सुबह जबलपुर - कोलकाता के बीच सीधी उड़ान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर से कोलकाता के बीच जल्द ही हवाई संपर्क कायम हो रहा है। जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री आशीष दुबे के सतत् प्रयास से अब जबलपुर से कोलकाता के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू होने जा रही है। एलायंस एयर इसी माह जुलाई या अगस्त के प्रारंभ में इस नई उड़ान का संचालन प्रारंभ करने जा रहा है।जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री आशीष दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वे लंबे समय से इस मार्ग पर उड़ान प्रारम्भ करवाने के लिए विभिन्न स्तर पर प्रयासरत थे,जिसका परिणाम यह निकला कि एलायंस एयर जबलपुर - कोलकाता के बीच उड़ान प्रारम्भ करने जा रहा है।

सांसद आशीष दुबे ने बताया कि उन्हें एलायंस एयर प्रबंधन ने उन्हें इस आशय की सूचना देते हुए इस उड़ान का प्रस्तावित शेड्यूल भी साझा किया है,जिसके अनुसार एलायंस एयर का एटीआर 72 विमान सप्ताह के तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को सुबह 07.05 पर कोलकाता से उड़ान भरकर 09.35 बजे जबलपुर

पहुंचेगा और फिर जबलपुर से कोलकाता के लिए 10.00 बजे उड़ान भरकर 12.35 बजे कोलकाता में लैंड करेगा।

सांसद श्री दुबे ने कहा कि फिलहाल जबलपुर से कोलकाता के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं थी।जिससे हवाई यात्रियों को जबलपुर से कोलकाता जाने के लिए स्टॉप ओवर उड़ान से कोलकाता जाना पड़ता था,अब जबलपुर से कोलकाता के बीच सीधी उड़ान प्रारम्भ होने से जबलपुर के हवाई यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ उनके समय की बचत भी होगी और आर्थिक भार भी अपेक्षाकृत कम हो जाएगा।

गौरतलब है कि यह उपलब्धि जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे के विशेष प्रयासों का परिणाम है। लंबे समय से क्षेत्र के बांग्लाभाषियों, उद्योगपतियों, छात्रों और व्यापारियों की मांग थी कि पूर्वी भारत के प्रमुख व्यापारिक केंद्र कोलकाता के लिए सीधी कनेक्टिविटी दी जाए। सांसद ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय और एलायंस एयर प्रबंधन से लगातार संपर्क कर इस रूट को मंजूरी दिलवाई।

इस उड़ान से जबलपुर के शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। कोलकाता में पढ़ने वाले जबलपुर के छात्र, इलाज के लिए जाने वाले मरीज और पूर्वी भारत से व्यापार करने वाले उद्यमियों को अब सीधी हवाई सुविधा मिलेगी।समय की बचत,किफायती यात्रा,व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ जबलपुर में निवासरत बांग्लाभाषियों को भी इस उड़ान के प्रारंभ होने से सहज सुविधा प्राप्त होगी वहीं जबलपुर के संगमरमर, कृषि उत्पाद और एमएसएमई उद्योगों को पूर्वी भारत के बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी।

इस उड़ान के लिए एलायंस एयर की बुकिंग जल्द ही सभी प्रमुख पोर्टल्स और एयरलाइन की वेबसाइट पर शुरू हो जाएगी।

हवाई अड्डा प्रबंधन ने बताया कि नई उड़ान के लिए डुमना एयरपोर्ट पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह के स्लॉट से यात्रियों को कोलकाता में दिनभर के काम निपटाने में सुविधा होगी। सांसद श्री दुबे ने कहा कि यह उड़ान जबलपुर को राष्ट्रीय हवाई मानचित्र पर और मजबूत करेगी।छात्रों,व्यापारियों, बांग्लाभाषियों,पर्यटन क्षेत्र सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र और जबलपुर को इस उड़ान के प्रारंभ होने का सकारात्मक लाभ प्राप्त होगा। सांसद श्री दुबे ने कहा कि वे जबलपुर से अन्य प्रमुख नगरों के लिए नई उड़ान प्रारंभ करवाने लगातार सक्रिय हैं और निकट भविष्य में जबलपुर से अन्य नगरों के लिए भी नई उड़ानें प्रारंभ होने की पूरी संभावना है।

एमपी ट्रांसको के ट्रेनीज असिस्टेंट इंजीनियरों को दिया गया ट्रांसमिशन लाइन के मेंटेनेंस का व्यावहारिक प्रशिक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी(एम पी ट्रांसको)के चार सहायक अभियंता (अस्सिटेंट इंजीनियर) प्रशिक्षुओं ने 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन पर फ्लैशओवर से प्रभावित डिस्क इंसुलेटर के रिप्लेसमेंट हेतु लिए गए शटडाउन कार्य के दौरान महत्वपूर्ण व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह व्यावहारिक प्रशिक्षण संपूर्ण मध्यप्रदेश मे एम पी ट्रांसको के विभिन्न फील्ड कार्यालयों द्वारा अभियंताओं के छोटे छोटे समूहों को दिया जा रहा है।

प्रशिक्षुओं ने शटडाउन लेने की संपूर्ण प्रक्रिया, सुरक्षा मानकों, वर्क परमिट व्यवस्था, लाइन को सुरक्षित रूप से आइसोलेट करने की कार्यवाही तथा कार्यस्थल पर उपयोग किए जाने वाले विभिन्न टूल्स की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने डिस्क इंसुलेटर बदलने की वास्तविक प्रक्रिया को निकट से देखा और ट्रांसमिशन लाइन के मेंटेनेंस कार्यों की तकनीकी बारीकियों को समझा। विद्युत क्षेत्र के अभियंताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस प्रकार के फील्ड प्रशिक्षण में सुरक्षा प्रक्रियाओं एवं उपकरणों के संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ ।

-इन्होने दिया फील्ड प्रशिक्षण-

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी भोपाल के कार्यपालन अभियंता श्री रवि चौरसिया एवं सहायक अभियंता श्री अंकित महरौलिया ने स्वयं प्रशिक्षुओं को शटडाउन प्रबंधन, कार्यस्थल पर सुरक्षा तथा एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों के रखरखाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक कार्य परिस्थितियों में कार्य निष्पादन की समझ विकसित करने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किया प्रतिभाओं का सम्मान-दक्षिण पश्चिम विधानसभा के प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 में 591 प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा परिवार की बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का नाम -भगवानदास सबनानी

भोपाल (संदीप पंडा)। नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति द्वारा आयोजित तीसरा प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 रवींद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। समारोह में कक्षा 10 वीं के 291, कक्षा 12वीं के 179, स्नातक, स्नातकोत्तर के 48 मेघावी विद्यार्थी एवं खेल, कला, साहित्य में 73 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। पूरा सभागार विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों से भरा हुआ था, जो इस कार्यक्रम के प्रति लोगों के उत्साह को दर्शा रहा था। डॉ. मिनी मेहरा ने आयोजन समिति का आभार एवं विद्यार्थियों को बधाई दी, उन्होंने कहा कि प्रतिभा सफलता के द्वार खोलती है, लेकिन मूल्य चरित्र का निर्माण करते हैं। उपलब्धियों को पहचान मिलने से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। सफलता के पीछे माता-पिता, शिक्षकों, परिवार एवं मित्रों के योगदान का महत्व हैं। दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से असंभव लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि आपकी यहां सफलता केवल अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके अनुशासन निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और परिवार तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। यह सम्मान आपकी मंजिल नहीं बल्कि एक नई और बड़ी यात्रा का प्रारंभ है।

उन्होंने कहा सफलता का अर्थ केवल ऊंचा वेतन या प्रतिष्ठित पद प्राप्त करना नहीं है। सच्ची सफलता तब है जब आपका ज्ञान, आपका चरित्र और आपकी क्षमता देश के करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दे। ईमानदारी, अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाइए। डॉ सिंह ने विधायक भगवानदास सबनानी एवं समिति को हार्दिक बधाई दी। डॉ आशुतोष सिंह एवं डॉ मिनी मेहरा ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी जिज्ञासा एवं उनके प्रश्नों के उत्तर दिये। विधायक भगवानदास सबनानी ने अपने स्वागत भाषण में विधायक भगवानदास सबनानी ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का स्वागत कर आभार व्यक्त किया कि, उन्होंने अपने बहुमूल्य समय में से समय देकर इस आयोजन को गरिमा प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश में मेघावी विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है, और यह सब संभव हो पाया है सरकार की नीति और तुरंत फैसलों से, उन्होंने सभागार में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत कर कहा कि दक्षिण पश्चिम विधानसभा परिवार की बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का नाम, हमारी विधानसभा क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं हर क्षेत्र में किया नाम रोशन। बच्चों का सम्मान मां-बाप को गर्व से भर देता है यहां पिता होकर मेंने महसूस किया है। यहां हमारी समिति का तीसरा आयोजन है, और यहां बताते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हर वर्ष हमारे क्षेत्र की प्रतिभाओं में वृद्धि हुई है, जो हमारे प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं साथ ही भविष्य में राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनेंगे। कार्यक्रम की संयोजक आरती राजू अनेजा समिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इन प्रतिभाओं का किया सम्मान

मेधावी छात्रा चांदनी विश्वकर्मा कक्षा 12वीं में 98.8प्रति., मुस्कान कुशवाह कक्षा 10वीं में 98.8प्रति., अदिति मट्टा।

खेल में आस्था पांडे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सेलिंग (नौकायान)।

डॉ वीणा सिन्हा, साहित्यकार, डॉ प्रीति खरे, ब्रजेश राजपूत लेखक, संजय मेहता रंगमंच, सहित अन्य प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

प्रकोष्ठ एवं विभागों की बैठक संपन्न, कार्यकारिणी शीघ्र भेजने के दिए निर्देश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) की प्रकोष्ठ एवं विभागों की महत्वपूर्ण बैठक आज जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री संजय यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक का संचालन एवं समन्वय प्रकोष्ठ एवं विभागों के प्रभारी विवेक यादव द्वारा किया गया। बैठक में सभी प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्षों के साथ संगठन की कार्यकारिणी के गठन एवं विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष श्री संजय यादव ने सभी अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रकोष्ठ एवं विभाग की पूर्ण कार्यकारिणी का गठन कर उसकी सूची शीघ्र जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) कार्यालय में उपलब्ध कराएं, ताकि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

बैठक के दौरान कार्यकारिणी गठन में आ रही विभिन्न समस्याओं एवं कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से संजय यादव ,विवेक यादव राजेश तिवारी, राजेश पटेल, परमलाल अहवासी,सतेंद्र चौबे गुड्डा शिव नामदेव,डॉ. हिमांशु गुप्ता,ताहिर खोखर ,रामेश्वर गिरी संतकुमार झारिया, उमा ऊंईके,नारायण विश्वकर्मा, जीतू पाठक,, अतुल विश्वकर्मा,सोनू सेन, सोनू रजक, कमला पटेल, प्रकाश अहिरवार, अनिकेत मिश्रा,रविन्द्र बर्मन सहित प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फिल्मी संगीत प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संस्कारधानी जबलपुर में नगर और आस पास के गायक कलाकारों द्वारा फिल्मी गीत संगीत की प्रस्तुति श्री कामतानाथ स्वामी म्युजिकल ग्रुप जबलपुर के द्वारा 11 जुलाई 2026 को दत्त मन्दिर गोलबाजार जबलपुर में सांयकाल गई।इस अवसर पर शहर के जानें मानें संगीत गुरु शरद बजीरा,मशूर गायिका रुमा बैनर्जी प्रमुख आथिति थे।कार्यक्रम का सुंदर सफल संचालन डॉ. मुकुल तिवारी एवं भव्य आकर्षक संयोजन पंडित विवेक कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया है। इस अवसर पर एड. विवेकानंद अवस्थी,राज भट्ट, दुर्गेश गर्ग,नीतू पटेल, राधा थापा,विजय शंकर जाटव, संजय पाटकर, मयंक श्रीवास्तव,रिंकू बग्गा,संतोष गोगिया,अश्वनी प्रजापति,राज भट्ट, योगेश उपाध्याय,वरुण झा,रश्मि दुबे मयंक श्रीवास्तव आनंद साहू,संजय पाठक, संजय मिश्रा, धीरज सिन्हा,श्रवण कुमार मिश्रा, संजीव श्रीवास्तव,मुकेश पटेल सहित अनेक नवोदित एवं वरिष्ठ गायक कलाकारों नें मनमोहक लाफिल्मी गानों की प्रस्तुति दी।गायक कलाकारों नें मोहमद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर ,अलका याज्ञनिक,चित्रा सिंह जगजीत सिंह, सुरेश वाडकर,उदित नारायण आदि अनेक फिल्मी गीतकारों के गीत एवं गजल प्रस्तुत किये।सभागार तालियों की गढ़गढ़ाहट से गूंज गया।वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश मिश्र,उमाशंकर मिश्र, शरद वजीरा,रूमा बैनर्जी द्वारा पत्रकारिता एवं मास कॉम्युनिकेशन विषय में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में आमन्त्रित माननीय राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मु जी कार्यक्रम में शिक्षामंत्री इंद्रपाल जी से स्वर्ण पदक प्राप्त संजय पाटकर जी को वरिष्ठ साहित्यकार, साहित्य सहोदर से सुरेश मिश्रा, उमाशंकार मिश्र,संगीत गुरु शरद वजीरा,रूमा बनर्जी विवेक त्रिपाठी जी द्वारा सम्मान पत्र, शाल श्री फल देकर सम्मानित किया गया।आनंद साहू जी को उत्कृष्ट गायन हेतु पांच हजार रू एवं अति उत्कृष्ट कार्यक्रम संचालन हेतु ग्यारह हजार रू का चैक डॉ.अशोक कुमार की तिवारी देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर निर्मला तिवारी,कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा से गिरीश अवस्थी,का.ब्रा.महिला प्रकोष्ट जबलपुर की और से डॉ.आशा पांडे डॉ.सरोज शुक्ला,साधना शुक्ला,अल्पना पांडे,सुषमा त्रिपाठी,प्रसंग से डॉ.रानू रूही, डॉ.विनीता पांडे विनीत, सनाढय संगम से महेश स्थापक,सामवेत स्वर से आशुतोष तिवारी सहित अनेंक शिक्षाविद, साहित्यकार संगीत प्रेमी उपस्थित हुए।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में श्रीमति उर्मिला कोरी उम्र 45 वर्ष निवासी कुठला जिला कटनी ने लिखित शिकायत की कि उसकी पुत्री नंदनी कोरी का विवाह 7 वर्ष पहले वीरेन्द्र कोरी निवासी अमखेरा से हुआ था विवाह के बाद से नंदनी का पति वीरेन्द्र एवं सास जयंती कोरी द्वारा नंदनी के साथ घरेलू विवाद कर मारपीट करते थे तथा घर से मायके भगा देते थे वह बेटी नंदनी को समझाइस देकर वापस ससुराल भेज देती थी, बेटी नंदनी मायके से कुछ रूपये, सोने चांदी के गहने मायके से ससुराल लेकर जाती थी

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कचरे के ढेर में मिला मंडला के दंपती का मृत नवजात शिशु

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सबसे बड़े और प्रतिष्ठित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल से एक बेहद ही हृदयविदारक और चिकित्सा व्यवस्था को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरी स्वास्थ्य प्रणाली और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. यहां मंडला जिले से आए एक गरीब और लाचार दंपती के नवजात शिशु का शव शनिवार को गायनिक वार्ड के बाहर रखे एक डस्टबिन में कचरे के ढेर के बीच पड़ा हुआ मिला. इस दर्दनाक घटना की खबर फैलते ही पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा. घटना से आक्रोशित पीड़ित परिवार और उनके शुभचिंतकों ने वार्ड के बाहर करीब छह घंटे तक जमकर हंगामा किया और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की. हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर लापरवाही के बाद भी मेडिकल कॉलेज के शीर्ष अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए और जवाब

देने से बचते नजर आए.

इस पूरे मामले में पीड़ित परिजनों ने बेहद गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं. मंडला जिले के मकरी गांव के रहने वाले इस पीड़ित परिवार की बहू को प्रसव पीड़ा होने के बाद रविवार को जबलपुर लाया गया था. सोमवार को उसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल अस्पताल के गायनिक (महिला एवं प्रसव) वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उसने एक नवजात को जन्म दिया. परिजनों का आरोप है कि सोमवार को बच्चे के जन्म के बाद से लेकर शनिवार दोपहर तक वे लगातार डॉक्टरों और ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ से यह पूछते रहे कि लड़का हुआ है या लड़की और बच्चे की स्थिति कैसी है. लेकिन संवेदनहीनता की हद पार करते हुए किसी भी चिकित्सक या स्वास्थ्य कर्मी ने उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी और लगातार बात को टालते रहे. परिजनों को पांच दिनों तक अंधेरे में रखा गया और आखिरकार शनिवार दोपहर को उन्हें अपने जिगर के टुकड़े का मृत शरीर वार्ड के ठीक बाहर लगे डस्टबिन के भीतर कचरे के डिब्बे में लावारिस हालत में पड़ा मिला.

दूसरी तरफ, इस भीषण हंगामे और आरोपों के बीच जब अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ से इस विषय में बात की गई, तो उन्होंने अपनी सफाई में एक अलग पक्ष रखा. चिकित्सा प्रशासन का कहना है कि महिला की स्थिति काफी गंभीर थी और उसके पेट में अत्यधिक पानी भर रहा था, जिसके कारण उसकी जान को खतरा बना हुआ था. इस चिकित्सकीय आपातकाल की वजह से डॉक्टरों को समय से पूर्व यानी करीब साढ़े छह महीने में ही सिजेरियन डिलीवरी करनी पड़ी. डॉक्टरों के मुताबिक, समय से बहुत पहले पैदा होने के कारण नवजात पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाया था और वह एक भ्रूण की अवस्था में ही था. अस्पताल स्टाफ का दावा है कि डिलीवरी के समय ही नवजात मृत पैदा हुआ था. हालांकि, अस्पताल प्रशासन इस बात का कोई तार्किक जवाब नहीं दे सका कि अगर नवजात मृत पैदा हुआ था, तो उसे ससम्मान परिजनों को सौंपने या उचित चिकित्सीय प्रक्रिया का पालन करने के बजाय डस्टबिन के कचरे में क्यों फेंक दिया गया और पांच दिनों तक परिजनों को सच्चाई से दूर क्यों रखा गया. इस सनसनीखेज मामले के बाद पुलिस को सूचना दी गई है और नवजात के शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित रखवाया गया है,

पुलिस की दबिश, दो किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पाटन थाना पुलिस ने 1 किलो 924 ग्राम गांजे के साथ विष्णु उर्फ रंजीत गौड़ उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम भरदा थाना बेलखेड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को बीती की रात सूचना मिली कि आरोपी मनकेड़ी रोड पर बंजारी माता मंदिर के पास बिना नंबर की स्पेलेंडर मोटरसाइकिल पर गांजा बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहा है। दबिश देकर पुलिस ने आरोपी को दबोचा। तलाशी में उसके पिट्ठू बैग से गांजा, 200 रुपये नगद, सैमसंग मोबाइल और मोटरसाइकिल जब्त की गई है। जब्त गांजे की कीमत 96 हजार 200 रुपये है।

पुलिस ने आरोपी विष्णु को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी से गांजे के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पाटन थाना पुलिस द्वारा इस कार्रवाई को अंजाम देने में चौकी प्रभारी नुनसर उप निरीक्षक राजेश धुर्वे, आरक्षक अनुराग रैकवार, रामगोपाल कुर्मी, गंगाराम और रिंकू यादव की सराहनीय भूमिका रही है। पुलिस की इस मुस्तैदी से अवैध नशे के सौदागरों में हड़कंप मच गया है। क्षेत्र में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए पुलिस लगातार सक्रिय बनी हुई है।

लड़की आवाज में लड़कों से करता था प्यार भरी बातें, शादी का वादा कर किसी से 5 तो किसी से हड़पे 50 हजार रुपए हड़पे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर के पाटन से लगे तेंदूखेड़ा में पुलिस ने एक ऐसे शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है, जो लड़कियों की आवाज निकालकर मोबाइल फोन पर लड़कों को प्यार भरी बातों में फंसाकर शादी का वादा करता। इसके बाद किसी लड़के से पांच हजार तो किसी से 50 हजार रुपए लेकर बातचीत बंद कर देता था। मामले में पीड़ित थाना पहुंचे और पुलिस को शिकायत दी। जिसपर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी युवक मोबाइल फोन पर लड़कों को लड़की की आवाज निकालकर प्यार भरी बातें करके अपने जाल में फंसा लेता और फिर उनसे किसी न किसी बहाने से रुपए ऐठता रहा, आरोपी ने अब तक करीब 10 से 15 युवकों को अपनी ठगी का शिकार बनाकर रुपए हड़पे है। आरोपी युवक द्वारा लड़की की आवाज निकालकर किसी से पांच तो किसी से 50 हजार रुपए तक लिए है। आरोपी युवक द्वारा लड़की बनकर युवकों से की जा रही बातचीत से उनके परिजन परेशान हो चुके थे। खासतौर पर घर की महिलाएं,

जिन्होने हिम्मत जुटाई और थाना तेंदूखेड़ा पहुंचकर पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस ने जब मामले की जांच की, तो पता चला कि लड़की बनकर बात करने वाला असल में एक लड़का है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देकर हड़पे पैसे-

मामले में एक पीड़ित सुंदर सिंह ने बताया कि आरोपी युवक ने उनके भांजे से लड़की की आवाज में बात कर अपने प्यार में जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया। इसके बाद बहाने से भांजे से पांच हजार

रुपए ऐठ लिए। अब जब उन्हें पता चला कि वह कोई लड़की नहीं बल्कि ठग लड़का है, तो वे अपने पैसे वापस मांगने थाने पहुंचे हैं।

थाना पहुंची महिला ने कहा-

इसी तरह ग्राम बहेरिया में रहने वाली भागवतीबाई ने बताया कि यह लड़का उनके बेटे से लम्बे समय से लड़की बनकर बातचीत करता रहा। यहां तक थोड़े थोड़े करके करीब 50 हजार रुपए ले चुका है। आरोपी के पकड़े जाने की खबर मिलते ही महिला अपने परिजनों के साथ थाना पहुंची और रुपए दिलाए जाने की मांग करने लगी।

इनके साथ 40 हजार रुपए की ठगी की-

एक और पीड़ित रामकुमारी यादव ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि इस फर्जी लड़की ने उनके परिवार के लोगों को अपनी मीठी बातों में फंसाकर करीब 40,000 रुपए की ठगी की है। आरोपी के पकड़े जाने के बाद अब सभी पीड़ित तेंदूखेड़ा थाने पहुंचकर अपने पैसे वापस दिलाने की गुहार लगा रहे हैं।

दादामिया दरगाह में चले चाकू युवक गंभीर रुप से घायल बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल क्षेत्र अंतर्गत एक 24 वर्षीय युवक पर दो बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात का कारण शराब पीने के लिए पैसे न देना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार स्लाटर हाउस रोड निवासी मोहम्मद शहनवाज कुरैशी ;24 वर्षद्ध दादामिया दरगाह में दर्शन करने गया था। वहां पहले से ही इलाके का शातिर बदमाश अल्ताफअपने एक साथी के साथ खड़ा था। शहनवाज को देखते ही अल्ताफने उसे रोक लिया और शराब पीने के लिए 500 रुपये की मांग करने लगा। जब शहनवाज ने रुपये देने से साफ मना कर दियाए तो अल्ताफ और उसके साथी ने उसके साथ सरेराह गाली.गलौज शुरू कर दी। शहनवाज द्वारा गाली देने का विरोध करने पर आरोपी अल्ताफने अचानक चाकू निकाल लिया और उस पर हमला कर दिया। पहला वार शहनवाज के दाहिने हाथ पर लगा। जान बचाने के लिए शहनवाज वहां से भागने लगाए लेकिन आरोपियों ने उसे दौड़ा.दौड़ाकर पीटा और चाकू से कई वार किए। हमले में शहनवाज की बाईं जांघए कूल्हे और कान के पास गंभीर चोटें आई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी शहनवाज को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। लहूलुहान हालत में पीड़ित ने हनुमानताल थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया और आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है।

बदमाशों ने महिला से शराब पीने के लिए मांगे पैसे, बीच-बचाव करने आए पति के गाल पर मारा चाकू

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रानगर में शराब पीने के लिए पैसे न देने पर दो बदमाशों ने एक किराना व्यापारी की दुकान में घुसकर गाली-गलौज की और विरोध करने पर व्यापारी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार, इंद्रानगर (रेंजर किराना के पास) निवासी 32 वर्षीय दीपक गुप्ता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दीपक ने बताया कि बीती रात लगभग 8ः30 बजे उनकी इंद्रानगर स्थित किराना दुकान पर उनकी पत्नी साधना गुप्ता और बहन अनीता गुप्ता बैठी हुई थीं। इसी दौरान सैठीनगर निवासी शंभू बेन और केशू बेन वहाँ पहुँचे। दोनों आरोपियों ने साधना गुप्ता से शराब पीने के लिए एक हजार रुपये की मांग की।

जब साधना गुप्ता ने रुपये देने से साफ मना कर दिया, तो दोनों आरोपी सरेराह ऊंची आवाज में गाली-गलौज करने लगे। शोर शराबा सुनकर दीपक गुप्ता घर के अंदर से दुकान में आए और उन्होंने बदमाशों को गालियां देने से रोका।

इस बात पर आरोपी भड़क गए। विवाद बढ़ने पर आरोपी केशू बेन ने अपने पास रखे चाकू से दीपक पर हमला कर दिया, जिससे उनके दाहिने गाल पर गहरी चोट आई है। वहीं दूसरे आरोपी शंभू बेन ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। गोरखपुर थाना पुलिस ने पीड़ित दीपक गुप्ता की शिकायत पर आरोपी शंभू बेन और केशू बेन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 296(बी), 115(2), 119(1), 351(3) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शराब पीने के लिये रूपयों की मांग, रूपये न देने पर मारपीट

जबलपुर- थाना हनुमानताल में मोह. शहनवाज कुरैसी 24 वर्ष निवासी स्लाटर हाउस रोड हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 11-7-26 की दोपहर लगभग 12 बजे दादामिया दरगाह में दर्शन करने गया था वहां पर मोहल्ले का अल्ताफ अपने साथी के साथ खड़ा था जो उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो

फार्चयूनर कार से ढुल रही थी अवैध शराब, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में तिलवारा पुलिस ने फार्चयूनर कार को उस वक्त पकड़ा है, जब तस्कर अवैध रुप से देशी व विदेशी शराब लेकर शहर की ओर आ रहा था। पुलिस को देखकर आरोपी ने कार की गति तेज कर दी लेकिन आगे डिवाइडर से टकरा गया। इसी तरह गोरखपुर पुलिस ने मांडवा बस्ती में पहाड़ी के बीच झाडियों में छिपाकर रखी गई अवैध शराब बरामद की है।

पुलिस के अनुसार बरगी की ओर से सफेद रंग की फार्च्यूनर कार क्रमांक एमएच 14 सीएम 5999 में निखिल पांडेय नामक तस्कर भारी मात्रा में शराब लोड करके शहर की ओर निकला, जब वह तिलवारा पुल के पास रमनगरा मोड पर पहुंचा तो पुलिस ने कार को रोकना चाहा,

लेकिन निखिल पांडेय ने कार की गति तेज कर दी और भाग निकला और आगे जाकर एक डिवाइडर से टकरा गया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पुलिस की टीम पीछा करते हुए पहुंच गई और कार सवार निखिल पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को कार की तलाशी लेने पर 31 पेटी में कुल 276 लीटर अंग्रेजी शराब कीमती लगभग 3 लाख 7 हजार 680 मिली। पुलिस ने कार सहित शराब जब्त कर निखिल पांडेय को गिरफ्तार कर लिया।

मांडवा बस्ती में भी पकड़ी गई अवैध शराब-

इसी तरह गोरखपुर पुलिस ने माण्डवा टेंडर में रहने वाले अवैध कारोबारी हर्ष गोटिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर शासकीय अस्पताल माण्डवा रामपुर के पास स्थित पहाड़ी की झाडियों से 316 पॉव शराब जब्त की है। आरोपी हर्ष गोटिया से उक्त शराब के संबंध में पूछताछ करने पर एक सप्ताह से राहुल काला के कहने पर राहुल काला द्वारा लाई गयी शराब बेचता है

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 278/ 2026/27 दिनांक 07.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती प्रतिभा श्रीपाल, पति श्री मनीष श्रीपाल** ने भवन क्रं. म.नं. 161/1/2 पिन क्र. 1004354643 **वार्ड क्र. 03, वार्ड-त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री मनीष श्रीपाल पिता- मोती श्रीपाल, प्लाट क्षेत्रफल 2302 व.फु., , **त्यागपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 270/ 2026/27 दिनांक 10.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती सोनम काजले, पति - श्याम काजले** ने भूखंड क्रं. 16 जसूजा फेस- 4 पिन क्र. 1004537397 **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती सोनामति पटेल, पति- धरम लाल पटेल, प्लाट क्षेत्रफल 735 व.फु., भूतल 700 व.फु. आर.सी.सी.,प्रथमतल 700 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 269/ 2026/27 दिनांक 09.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री सोनू कुमार साहू, पिता- रमेश प्रसाद साहू, 2. श्रीमती सुषमा साहू, पति- विनय कुमार साहू** ने भवन क्रं. 266/2 पिन क्र. 1000496796 **वार्ड क्र. 16, वार्ड-महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री राजुल जोशी, पिता - राजेन्द्र जोशी, प्लाट क्षेत्रफल 2800 व.फु., , **विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 276/ 2026/27 दिनांक 07.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री नागेन्द्र कुमार मिश्रा, पिता- कमला कांत मिश्रा** ने भवन क्रं.991/23,1 बी पिन क्र. 1000532398 **वार्ड क्र. 03, वार्ड-त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री कमला कांत मिश्रा, शैलेन्द्र, विरेन्द्र, नागेन्द्र , अखिलेश, भूतल 320 व.फु., , **बटवारानामा ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 277/ 2026/27 दिनांक 08.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती सोनी गुप्ता, पति श्री विवेक गुप्ता** ने भवन क्रं.06 पिन क्र. 1000705494 **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री प्रशांत जैन/ सुभाष जैन, श्रीमती विभा जैन, पति श्री प्रशांत जैन भूतल 648 व.फु. आर.सी.सी. प्रथमतल 628 व.फु. आर.सी.सी., , **विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 271/ 2026/27 दिनांक 10.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती रेखा ग्रोवर, पति श्री रवि ग्रोवर** ने भवन क्रं. 719/4, फ्लेट नं. 513 पिन क्र. 1000510118 का भाग **वार्ड क्र. 06, वार्ड- इंदिरा गांधी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री अजय दुबे, पिता- के.के. दुबे, अंजू दुबे/ सुनील दुबे, पांचवा तल 749.60 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 272/ 2026/27 दिनांक 10.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **डॉ. गोपाल दास रावत, पिता- भगवान दास रावत** ने भवन क्रं. एचआईजी. 67 पिन क्र. 1000491634 **वार्ड क्र. 16, वार्ड-महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) तरूणा शर्मा/ अखिलेश शर्मा, भूतल 1344 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 274/ 2026/27 दिनांक 09.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्रीमती सरिता शाक्य, पति- श्री मनीष कुमार शाक्य् 2. श्री मनीष कुमार, पिता - सुखलाल शाक्य,** ने भवन क्रं. 1900 एचआईजी. बी-21 पिन क्र. 1000498898 **वार्ड क्र. 16, वार्ड-महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री एच.एस. सकवार, पिता स्व. श्री नन्हें लाल सकवार, भूतल 1500 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 1500 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 273/ 2026/27 दिनांक 08.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री राजेश जैन, पिता- सुन्दर लाल जैन** ने भवन क्रं. 792 पिन क्र. 1000598469 **वार्ड क्र. 01, वार्ड-गढ़ा वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती कुसुम बाई जैन, पति- सुन्दर लाल जैन, भूतल 336 व.फु. आर.सी.सी., भूतल 260 व.फु. कच्चा, + 780 व.फु. सीमेंट शीट, प्रथमतल 299 व.फु. सीमेंट, , **शपथपत्र, सहमति शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांतियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096